PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक

भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-147 | झुंझुनू (राजस्थान) | मंगलवार, 21 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'लालच क्षणिक सुख देता है, लेकिन संतोष स्थायी शांति और सच्चा सुख प्रदान करता है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

राजस्थान में हिंदुस्तान पेट्रोलियम की रिफाइनरी में आग

कई घंटे बाद काबू पाया गया

प्रधानमंत्री उद्घाटन करने वाले थे, घटना के बाद कार्यक्रम स्थगित

भीम प्रज्ञा न्यूज

बाड़मेर/बालोतरा, राजस्थान । राजस्थान में बाड़मेर के नजदीक बालोतरा में हिंदुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड (HPCL)

की रिफाइनरी में सोमवार दोपहर 2 बजे भीषण आग लग गई। जानकारी के मुताबिक आग रिफाइनरी में कच्चे तेल को साफ करने वाली दो यूनिट में लगी। यूनिट से धुआं उठने पर कर्मचारियों ने फायर सेफ्टी सिस्टम चालू किया। इसके बाद मौके पर पहुंचीं फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने 2 से 3 घंटे में आग पर काबू पाया। इस दौरान यूनिट से लपटें उठती रहीं। करीब 79 हजार 459 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस रिफाइनरी का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को उद्घाटन करने वाले थे। इस घटना के बाद उनका दौरा स्थगित हो गया है। आग लगते ही पूरे इलाके को खाली करा लिया गया था और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि नुकसान और आग लगने के कारणों का आकलन बाकी है। सीएम भजनलाल शर्मा ने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं।

कंपनी का दावा- हाइड्रोकार्बन के रिसाव के कारण आग लगी

HPCL ने एक्स पर आधिकारिक बयान जारी किया है। कंपनी का कहना है- पचपदरा में HPCL Rajasthan Refinery Limited (पचपदरा, बालोतरा) में सोमवार दोपहर करीब 1:55 बजे रिफाइनरी के क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (CDU) सेक्शन में आग लग गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, हीट एक्सचेंजर सर्किट में किसी वाल्व या फ्लैंज से हाइड्रोकार्बन के रिसाव के कारण आग लगी। आग लगते ही ॥ररुकी इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम ने प्रशासन की मदद से तुरंत कार्रवाई करते हुए स्थिति पर नियंत्रण किया। इस घटना में किसी भी व्यक्ति की जान नहीं गई और न ही कोई घायल हुआ।

नए बने जिले बालोतरा में HPCL की रिफाइनरी

सरकारी तेल कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड यानी HPCL की यह रिफाइनरी राजस्थान में नए बने जिले बालोतरा के पचपदरा में मौजूद है। करीब 79 हजार 459 करोड़ रुपए की लागत से करीब 4500 एकड़ (7200 बीघा) में बनी रिफाइनरी में विदेशों से मंगाए जाने वाले कच्चे तेल को प्रोसेस करने और उससे अलग-अलग प्रोडक्ट तैयार करने के लिए पूरा कॉम्प्लेक्स बनाया गया है। यहां सालाना 9 मिलियन टन कच्चा तेल साफ किया जा सकता है।

कच्चा तेल फिल्टर करने वाली दो यूनिटों में लगी आग

HPCL रिफाइनरी के दो हिस्सों में आग लगी। इनके नाम क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (CDU) और वैक्यूम डिस्टिलेशन यूनिट (VDU) हैं। पाइप लाइन के जरिए आने वाला कच्चा तेल इन्हीं यूनिट में आता है। फिर उसे फिल्टर करके अलग-अलग यूनिट में भेजा जाता है।

पचपदरा रिफाइनरी में गुजरात से आना है कच्चा तेल

राजस्थान की इस रिफाइनरी में गुजरात के मुंद्रा पोर्ट से पाइप लाइन के जरिए कच्चा तेल लाया जाएगा। मुंद्रा से इसकी दूरी करीब 487 किलोमीटर है।

HPCL और राजस्थान सरकार की भागीदारी से बनी रिफाइनरी

पचपदरा रिफाइनरी में HPCL की 74' और राजस्थान सरकार की 26' हिस्सेदारी है। इस रिफाइनरी का काम अप्रैल 2026 में पूरा करने का लक्ष्य है, जबकि पूरी तरह पेट्रोलियम उत्पादन का टारगेट जुलाई 2026 रखा गया है।

HPCL ने घटना को लेकर आधिकारिक बयान जारी किया है। कंपनी ने कहा- शुरुआती जानकारी के अनुसार, हीट एक्सचेंजर सर्किट में किसी वाल्व या फ्लैंज से हाइड्रोकार्बन के रिसाव के कारण CDU सेक्शन में आग लग गई।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'लालच का बढ़ता सायाः जब इच्छाएँ समाज को निगलने लगती हैं '

एक प्राचीन कथा है–एक व्यक्ति को वरदान मिला कि वह जो भी छुएगा, वह सोना बन जाएगा। शुरू में वह अत्यंत प्रसन्न हुआ; उसके घर की हर वस्तु सोने में बदलने लगी। लेकिन जब उसने भोजन को छुआ, वह भी सोना बन गया। पानी भी सोना बन गया। अंततः उसकी सबसे प्रिय बेटी भी सोने की मूर्ति में बदल गई। तब उसे समझ आया कि लालच ने उससे सब कुछ छीन लिया है। यह कथा केवल कल्पना नहीं, बल्कि आज के समाज का सजीव प्रतिबिंब है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

जब समाज में लालच बढ़ता है, तो वह केवल एक व्यक्तिगत कमजोरी नहीं रहता, बल्कि एक सामाजिक बीमारी का रूप ले लेता है। लालच व्यक्ति की सोच को संकुचित कर देता है और उसे केवल अपने स्वार्थ तक सीमित कर देता है। वह यह भूल जाता है कि उसके कर्मों का प्रभाव केवल उस तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे समाज पर पड़ता है। महात्मा बुद्ध ने स्पष्ट कहा था– 'मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु उसका लोभ और मोह है।' यह कथन आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। लालच व्यक्ति के विवेक को कुंद कर देता है। जब विवेक समाप्त होता है, तो नैतिकता, ईमानदारी और करुणा जैसे मूल्य स्वतः ही पीछे छूट जाते हैं। परिणामस्वरूप, समाज में भ्रष्टाचार, चोरी, धोखाधड़ी और अनैतिक व्यवहार तेजी से फैलने लगते हैं। आज हम अपने चारों ओर देखें, तो पाएंगे कि अधिकांश समस्याओं की जड़ कहीं न कहीं लालच से जुड़ी हुई है। रिश्वतखोरी केवल एक प्रशासनिक समस्या नहीं है, बल्कि यह उस मानसिकता का परिणाम है, जिसमें व्यक्ति अधिक पाने की चाह में सही-गलत का भेद भूल जाता है। इसी प्रकार, अनैतिक व्यापार, मिलावटखोरी, कर चोरी और अन्य अपराध भी उसी लालच की शाखाएं हैं, जो धीरे-धीरे पूरे समाज को खोखला कर रही हैं। लालच की सबसे खतरनाक विशेषता यह है कि इसका कोई अंत नहीं होता। यह एक ऐसी आग है, जो जितना अधिक ईंधन पाती है, उतनी ही अधिक भड़कती जाती है। व्यक्ति सोचता है कि थोड़ा और मिल जाए, तो संतोष मिल जाएगा; लेकिन 'थोड़ा और' की यह चाह कभी समाप्त नहीं होती। अंततः वह इस दौड़ में इतना उलझ जाता है कि उसे यह भी याद नहीं रहता कि वह किसके लिए और क्यों भाग रहा है। इस संदर्भ में 'सन्तोष परमं सुखम' का सिद्धांत अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। संतोष का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति प्रयास करना छोड़ दे या प्रगति की इच्छा न रखे, बल्कि इसका अर्थ यह है कि वह अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच संतुलन बनाए। जब व्यक्ति संतोष को समझता है, तब वह अपने जीवन में शांति और स्थिरता का अनुभव करता है।

समाज के स्तर पर भी संतोष और नैतिकता की स्थापना आवश्यक है। यदि समाज में ईमानदारी और नैतिक मूल्यों को महत्व दिया जाए, तो लालच स्वतः ही नियंत्रित हो सकता है। इसके लिए शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा केवल ज्ञान देने का माध्यम नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसमें नैतिक मूल्यों का समावेश भी होना चाहिए। बच्चों को प्रारंभ से ही यह सिखाया जाना चाहिए कि सफलता का वास्तविक अर्थ केवल धन अर्जित करना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और ईमानदार नागरिक बनना है। इसके साथ ही, परिवार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि घर में बच्चों को यह सिखाया जाए कि जीवन में संतोष और नैतिकता का महत्व क्या है, तो वे बड़े होकर समाज में सकारात्मक योगदान देंगे। लेकिन यदि उन्हें केवल प्रतिस्पर्धा और अधिक पाने की होड़ सिखाई जाएगी, तो वे भी उसी दौड़ का हिस्सा बन जाएंगे, जो अंततः समाज को नुकसान पहुंचाती है।

यह भी आवश्यक है कि हम स्वयं आत्मनिरीक्षण करें। क्या हम अपने जीवन में कहीं न कहीं लालच के प्रभाव में तो नहीं आ रहे? क्या हम छोटी-छोटी सुविधाओं के लिए अपने सिद्धांतों से समझौता तो नहीं कर रहे? यदि हम इन प्रश्नों का ईमानदारी से उत्तर दें, तो हमें अपने भीतर झांकने का अवसर मिलेगा।

अंततः, यह समझना होगा कि लालच केवल बाहरी समस्या नहीं है, बल्कि यह हमारे भीतर की एक प्रवृत्ति है, जिसे नियंत्रित करना हमारे अपने हाथ में है। यदि हम इसे समय रहते नहीं रोकते, तो यह धीरे-धीरे हमारे व्यक्तित्व, हमारे संबंधों और हमारे समाज को प्रभावित करने लगता है। इसलिए आवश्यक है कि हम संतोष, नैतिकता और आत्मसंयम को अपने जीवन का आधार बनाएं। क्योंकि जब व्यक्ति अपने लालच पर नियंत्रण पा लेता है, तभी वह सच्चे अर्थों में स्वतंत्र और सुखी बन पाता है–और तभी समाज भी स्वस्थ और समृद्ध बन सकता है।

खेतड़ी में खुले व्यायामशालाओं से बदली सुबह की तस्वीर, स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ते कदम

कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल से आमजन को मिला स्वास्थ्य का नया मंच

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

स्वस्थ जीवनशैली की दिशा में एक सकारात्मक बदलाव अब खेतड़ी क्षेत्र में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत शुरू की गई खुले व्यायामशालाओं (ओपन जिम) की पहल ने क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता को नया आयाम दिया है। न्यू मार्केट पार्क, अंबेडकर पार्क, हाथी पार्क, कोलिहान पार्क तथा पोलो ग्राउंड जैसे प्रमुख स्थानों पर स्थापित ये खुले व्यायाम स्थल अब आमजन के लिए निःशुल्क उपलब्ध हैं। सुबह और शाम इन स्थानों पर बढ़ती भीड़ इस बात का प्रमाण है कि यह पहल लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है।खुले वातावरण में आधुनिक और सुरक्षित उपकरणों के साथ व्यायाम करने की सुविधा ने युवाओं के साथ-साथ महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को भी विशेष रूप से आकर्षित किया है। पहले जहां व्यायाम केवल निजी जिम तक सीमित था, वहीं अब हर व्यक्ति अपने आसपास के पार्क में ही स्वास्थ्य के प्रति सजग दिखाई दे रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इन खुले व्यायाम स्थलों ने उनकी दिनचर्या में सकारात्मक बदलाव लाया है। अब उन्हें स्वस्थ रहने के लिए अतिरिक्त खर्च या दूर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। सुबह की सैर के साथ व्यायाम करने से शारीरिक स्फूर्ति के साथ मानसिक संतुलन भी बेहतर हो रहा है।यह पहल केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक मेलजोल को भी सुदृढ़ कर रही है। पार्कों में एक साथ व्यायाम करते लोग आपसी संवाद बढ़ा रहे हैं, जिससे समाज में सहयोग और एकता की भावना मजबूत हो रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार की पहलें बीमारियों से बचाव में सहायक होने के साथ-साथ नई पीढ़ी को भी स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड द्वारा किया गया यह प्रयास एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है, जो यह दर्शाता है कि औद्योगिक संस्थान समाज के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। खेतड़ी में शुरू हुई यह पहल अब एक सकारात्मक जनआंदोलन का रूप लेती नजर आ रही है, जो एक स्वस्थ, सक्रिय और जागरूक समाज के निर्माण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है।

उत्कर्ष मित्तल का RAS में चयन होने पर दी बधाई किया सम्मान

आनंद श्री चेतना केंद्र के लोकेश्वरा नंद महाराज पहुंचे उत्कर्ष मित्तल के घर

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर सिंह मीणा । कस्बे में चुंगी नंबर एक पर स्थित रमाकांत मित्तल के लाडले पुत्र उत्कर्ष मित्तल का RAS में दसवीं रैंक में चयन होने पर जहां उन्हें बधाईयो का तांता मिल रहा है वहीं सोमवार को आनंद श्री चेतना केंद्र के स्वामी लोकेश्वरा नंद महाराज ने उनके घर पहुंच कर बधाई दी है द्य स्वामी लोकेश्वर आनंद महाराज ने उत्कर्ष मित्तल का RAS में चयन होने पर कहा की उत्कर्ष के घर तो खुशी का माहौल है ही साथ ही इस लाडले बेटे ने उदयपुरवाटी कस्बे का तो मान बढाया ही है द्य लोकेश्वरानंद महाराज ने उत्कर्ष मित्तल के घर पहुंच कर उन्हें मिठाई खिलाकर बहुत-बहुत मुबारकबाद दी है द्य इस दौरान एचपी गैस एजेंसी के प्रबंधक राम प्रताप पुलकित भी उनके साथ रहे

केंद्रीय सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार आए झुंझुनू

सर्किट हाउस में महिला आरक्षण बिल के बारे में कि चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

सामाजिक न्याय में अधिकारिता मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर झुंझुनू। निजी समारोह में शिरकत करने आए अधिकारिता मंत्री ने सर्किट हाउस में अल्प विश्राम के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में कृत संकल्पित है और इसके लिए मातृशक्ति का योगदान भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के स्वार्थी राजनीति और गैर जिम्मेदार व्यवहार के कारण संसद में महिला आरक्षण बिल पास नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि जब जब देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई है विपक्ष ने विरोध किया है। जिनमें राम मंदिर, धारा 370 हटाने, सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक, आयुष्मान भारत योजना, एसआईआर अभियान और महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण बिल शामिल है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल लोकसभा एव विधानसभा में महिलाओं की 33' भागीदारी के लिय महत्वपूर्ण बिल है, जिससे महिलाओं को शक्ति संवर्धन का मौका मिलेगा। विकसित राष्ट्र के लिए महिलाओं की नीति, निर्णय तथा योजनाओं को शामिल किया जाएगा। विपक्ष ने मातृ शक्ति के बिल में असहयोग करके एक महत्वपूर्ण अवसर खो दिया, नेतृत्व क्षमता में मातृशक्ति के लोकसभा विधानसभा में परिसीमन के अनुसार बड़ी हुई संख्या में मातृशक्ति के देश के विकास के नीति निर्णयों में वंचित करके जो अपराध किया है उसके विरुद्ध मातृशक्ति में पूरे देश में भयंकर आक्रोश है।इसका खामियाजा आने वाले समय में कांग्रेस सहित डीएमके सपा डीएमसी एवं अन्य विपक्षी दलों को भोगना पड़ेगा।

डॉ. अंजली यादव के नेतृत्व में मुंडावर की महिलाओं ने जयपुर में भरी हुंकार, जन आक्रोश पदयात्रा में दिखाया दम

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा जयपुर स्थित प्रदेश कार्यालय से आयोजित जन आक्रोश महिला पदयात्रा में मुंडावर विधानसभा क्षेत्र से सैकड़ों महिलाओं ने भाग लेकर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। भाजपा महिला मोर्चा राजस्थान की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अंजली यादव के नेतृत्व में क्षेत्र की मातृशक्ति ने जयपुर पहुंचकर प्रदर्शन में सक्रिय सहभागिता निभाई और महिला अधिकारों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। इस अवसर पर डॉ. अंजली यादव ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण विधेयक को पारित नहीं होने देकर महिलाओं के अधिकारों के प्रति अपनी नकारात्मक सोच को उजागर किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय जनता पार्टी महिला सशक्तिकरण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और महिला मोर्चा इस अन्याय के खिलाफ निरंतर आवाज उठाता रहेगा। डॉ. यादव ने आगे कहा कि यह जन आक्रोश पदयात्रा देशभर की महिलाओं की भावना का प्रतीक है, जो अपने अधिकारों और सम्मान के लिए एकजुट होकर खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि जब तक महिलाओं को उनका हक और सम्मान नहीं मिलेगा, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। कार्यक्रम में मुंडावर क्षेत्र की महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि क्षेत्र की मातृशक्ति सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर पूरी तरह जागरूक और सक्रिय है। पदयात्रा के दौरान महिलाओं ने सरकार विरोधी नारों के साथ अपने अधिकारों के लिए एकजुटता का संदेश दिया।

सोने से पहले लहसुन के तेल से करें पैरों की मालिश

अच्छी नींद के साथ मिलेंगे और भी फायदे

मालिश के बाद बेहद आराम मिलता है, साथ ही एक अच्छी गुणवत्ता वाली नींद प्राप्त करने में भी मदद मिलती है। अब मैं भी रोजाना लहसुन के तेल से अपने टखनों की मालिश करती हूं, जिससे मुझे कई फायदे मिले।क्या आपको भी रात को सोने से पहले अपने पैरों में दर्द महसूस होता है, जिसकी वजह से नींद नहीं आती या आप विचलित रहती हैं। तो आपको रोजाना रात को सोने से पहले अपने टखने या पूरे पैरों की मालिश करनी चाहिए। मैने बचपन से अपनी मां और दादी को रोजाना रात को सोने से पहले लहसुन के तेल से टखनों की मालिश करते हुए देखा है। उन दोनों से इसके बारे में पूछने पर उन्होंने कई फायदे बताएं । साथ ही मेरे भी टखनों की मालिश करना की। सच में मालिश के बाद बेहद आराम मिलता है, साथ ही एक अच्छी गुणवत्ता वाली नींद प्राप्त करने में भी मदद मिलती है। अब मैं भी रोजाना लहसुन के तेल से अपने टखनों की मालिश करती हूं, जिससे मुझे कई फायदे मिले। यदि आपको भी थकान महसूस होती है, या पैरों की त्वचा ड्राई एवं डल हो रही है, या बार-बार पैरों में संक्रमण हो जाता है, तो इन सभी परेशानियों से बचने के लिए रात को सोने से पहले 5 से 10 मिनट लहसुन के तेल से अपने टखने एवं समग्र पैरों की मालिश करें ।

पैरों पर लहसुन के तेल से मालिश करने के फायदे

1. **ब्लड सर्कुलेशन बढ़ जाता है**-दिन में हम एक लंबा समय बैठ कर बिताते हैं, हम बहुत कम समय इधर-उधर घूमते हैं। चलने-फिरने में अनियमितता और लंबे समय तक बैठे रहने से हमारे पैरों का ब्लड सर्कुलेशन बाधित हो जाता है। अपने पैरों को स्वस्थ रखने के लिए, आपको बस 5 मिनट के लिए तेल मालिश करनी है। सोने से ठीक पहले लहसुन के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यदि चादर में तेल लगने का डर है, तो मौजे पहन कर सोएं।
2. **नींद को बढ़ावा देता है**-सोने से पहले एक अच्छी तेल मालिश तनाव को दूर करने और शरीर को आराम करने में मदद करती है। यह तनाव से छुटकारा दिलाता है, और आपकी नसों को आराम पहुंचता है। आपके पैरों में कई एक्यूपंक्चर बिंदु होते हैं, जो नींद लाने में मदद करते हैं। जब आप अपने पूरे पैर की मालिश करते हैं, तो आप इन एक्यूपंक्चर बिंदुओं को भी सक्रिय करते हैं। इसलिए, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने और नसों को आराम मिलने से रात को अच्छी नींद आती है।
3. **दर्द कम करता है**-लहसुन के तेल से पैरों की मालिश करें, यह सूजन को शांत करती है और पैरों में किसी भी तरह के तनाव या दर्द को कम करती है। पूरे पैर की मालिश करें, खास तौर पर टखने पर। इससे आपके पैर की मांसपेशियों को आराम मिलता है और आपको एक बेहतर नींद प्राप्त होती है, जिससे पूरे शरीर की थकान दूर होती है। शोध ने यह प्रमाणित किया है कि गर्म ऑलिव ऑयल या कोकोनट ऑयल से अपने पैरों की मालिश करने से पैर के टेंडोनाइटिस के कारण होने वाली सूजन से राहत मिल सकती है।
4. **पीएमएस के लक्षणों को कम करता है**-पीएमएस के लक्षणों में आमतौर पर मूड स्विंग, सूजन, अनिद्रा, मतली और ऐंठन जैसी समस्याएं होती हैं। पैरों की मालिश इन लक्षणों को नियंत्रित करने में भी फायदेमंद होती है। अपने पैरों को लहसुन के तेल से मालिश करें, जिसकी खुशबू भी राहत देती है। पीरियड्स के दौरान बेहतर महसूस करने के लिए उन 5 दिनों में दो बार अपने पैरों की मालिश करें।
5. **पैरों की त्वचा को बनाए कोमल और मुलायम**-हमारा पैर पूरे दिन तमाम तरह की धूल, गंदगी और मिट्टी के संपर्क में आता है, जिसकी वजह से पैरों पर कई सारे बैक्टीरिया का जमाव हो सकता है। लहसुन के तेल में पाए जाने वाली एंटीबैक्टीरियल और एंटी इन्फ्लेमेटरी प्रॉपर्टी हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करती है। लहसुन में मजबूत एंटीफंगल गुण होते हैं। यह तेल एथलीट फुट और कैंडिडा जैसी स्थितियों के लिए एक प्रभावी उपचार साबित हो सकता है, साथ ही डर्मेटोफाइट्स के समग्र विकास को भी रोकता है।डर्मेटोफाइट्स फंगस हैं जो बढ़ने के लिए केराटिन का उपयोग करते हैं, और आमतौर पर त्वचा पर पाए जाते हैं। लहसुन का तेल इन कवकों से लड़ने के लिए अपने स्वास्थ्य गुणों का उपयोग करता है, जिससे आपकी पैरों की त्वचा स्वास्थ्य बेहतर होती है। मसाज देने से पैरों को त्वचा में मॉइश्चर बना रहता है, और वे कोमल एवं मुलायम रहती हैं।

जानें कैसे तैयार करना है लहसुन का तेल

लहसुन का तेल तैयार करने के लिए सबसे पहले लहसुन की कलियों को छिलकर हल्के हाथों से कुचले।
अब इन कुचली हुई कलियों को सरसों के तेल में डाल दें। (आप चाहे तो किसी अन्य तेल भी इस्तेमाल कर सकती हैं, परंतु सरसों का तेल बेहद प्रभावी रहेगा)
अब तेल को धीमी आंच पर पूरी तरह से गर्म होने दें या यूं कहें कि पकने दें।उसके बाद तेल को अलग कटोरी में निकाल कर ठंडा होने दें। जब तेल ठंडा हो जाए तो इसे किसी कंटेनर में स्टोर कर लें।

बचपन में बढ़ती उदासी

आखिर क्यों अकेलपन से जूझ रहे हैं आज के बच्चे?

बदलती जीवनशैली और व्यस्तता ने बच्चों से छीना भावनात्मक सहारा, सोशल मीडिया और अकेलेपन का बढ़ता असर,

परिवार और समाज की भूमिका से ही लौट सकती है बच्चों की मुस्कान

विजय श्रीवास्तव

आज का बचपन पहले जैसा नहीं रहा। जहां कभी बच्चों की दुनिया खेल, दोस्तों और छोटी-छोटी खुशियों से भरी होती थी, वहीं आज कई बच्चे अंदर ही अंदर उदासी, तनाव और अकेलेपन से जूझ रहे हैं। यह बदलाव केवल एक परिवार या शहर तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के बड़े हिस्से में दिखाई दे रहा है।

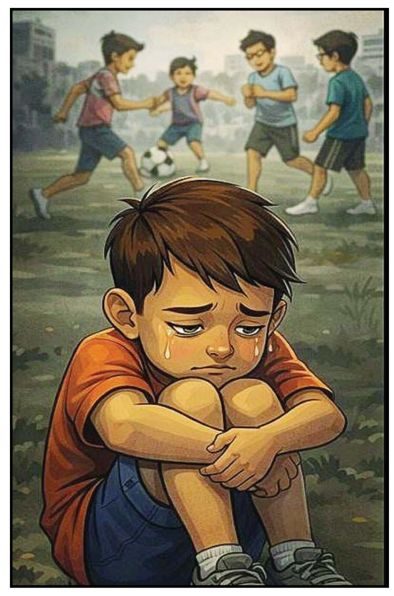

हम में से ज्यादातर लोगों के बचपन की यादें मिली-जुली होती हैं। कभी खुशी, कभी दुख, कभी सीख देने वाले अनुभव—इन सबके बीच हम धीरे-धीरे जीवन को समझते हैं। यही अनुभव हमें यह भरोसा देते हैं कि मुश्किलों के बावजूद जिंदगी सुंदर है। लेकिन आज के कई बच्चों की सोच अलग दिशा में जा रही है। वे जीवन को ज्यादा कठिन, तनावपूर्ण और दर्द से भरा हुआ महसूस कर रहे हैं।

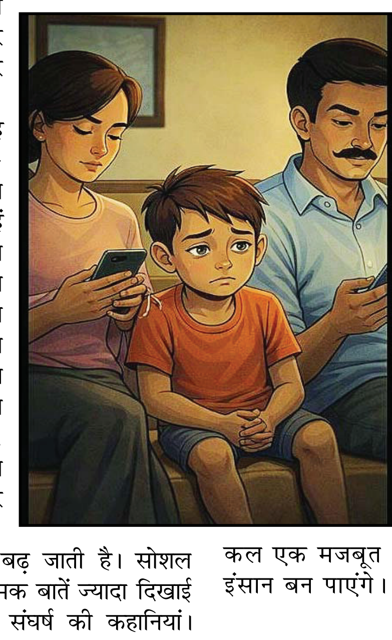

इसकी सबसे बड़ी वजह है अकेलापन। आज माता-पिता और बड़े लोग अपने काम में इतने व्यस्त हो गए हैं कि बच्चों के साथ समय बिताना कम हो गया है। जब बच्चा उदास होता है, तो उसे किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है जो उसे सुने, समझे और उसका साथ दे। लेकिन जब यह साथ नहीं मिलता, तो बच्चे अपने मन की बात दोस्तों या सोशल मीडिया पर ढूंढने लगते हैं।

यहीं से समस्या और बढ़ जाती है। सोशल मीडिया पर अक्सर नकारात्मक बातें ज्यादा दिखाई देती हैं—तनाव, दुख और संघर्ष की कहानियां। बच्चे इन्हें देखकर यह मानने लगते हैं कि जिंदगी सिर्फ कठिनाइयों से भरी है। धीरे-धीरे यह सोच उनके मन में बैठ जाती है और वे खुद को और ज्यादा अकेला महसूस करने लगते हैं।

इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए हमें बच्चों को एक संतुलित नजरिया देना होगा। जीवन में दुख और संघर्ष होते हैं, लेकिन इसके साथ-साथ खुशियां और उम्मीद भी होती है। अगर हम सिर्फ नकारात्मक पहलुओं पर ध्यान देंगे, तो जीवन हमेशा अंधेरा ही लगेगा।

यहां दो बातें बहुत महत्वपूर्ण हो जाती हैं। पहली है कृतज्ञता, यानी छोटी-छोटी खुशियों को पहचानना और उनके लिए आभारी होना। दूसरी है दर्द को सीख के रूप में देखना। जीवन की मुश्किलें हमें कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत बना सकती हैं—अगर हम उन्हें सही तरीके से समझें।

लेकिन ये बातें केवल किताबों से नहीं सीखी जा सकतीं। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। अगर माता-पिता, शिक्षक और बड़े लोग खुद सकारात्मक सोच अपनाते हैं, तो बच्चे भी उसी रास्ते पर चलना सीखते हैं।

इसलिए आज सबसे जरूरी है कि हम अपने बच्चों के साथ समय बिताएं, उनसे खुलकर बात करें और उन्हें यह एहसास दिलाएं कि वे अकेले नहीं हैं। जब बच्चा यह महसूस करता है कि कोई उसे समझने वाला है, तो उसकी आधी परेशानी वहीं खत्म हो जाती है।

अंत में, यह समझना जरूरी है कि बच्चों की उदासी केवल उनकी समस्या नहीं है, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। अगर हम आज उनके साथ खड़े होंगे, तो वे कल एक मजबूत और सकारात्मक सोच वाले इंसान बन पाएंगे।

टैटू दे सकता है ब्लड या स्किन कैंसर, बचना है तो इन चीजों का ध्यान रखें

शरीर पर टैटू बनवाने के नुकसान भी हो सकते हैं। खासकर तब जब टैटू बनवाते वक्त जरूरी सावधानियां ना बरतें। टैटू बनवाना हमें स्किन या ब्लड कैंसर तक भी ले जा सकता है लेकिन कुछ सावधानियां बरत कर हम इन खतरों से बच सकते हैं।

टैटूज बनवाते वक्त क्या सावधानी रखें- यह हमारी पुरानी आदत कह लें या जीने का तरीका कि हम अपने दौर के सेलिब्रिटीज को फॉलो करना चाहते हैं। इस फॉलोइंग की राह में एक स्टाइल आता है। ऐसा स्टाइल जिसे हम टैटू नाम से जानते हैं। हम किसी बड़े खिलाड़ी, किसी फिल्मी सितारे को देखकर अपने शरीर पर भी टैटू चाहते हैं। लेकिन इस टैटू के नुकसान भी हो सकते हैं। खासकर तब जब टैटू बनवाते वक्त जरूरी सावधानियां ना बरतें। टैटू बनवाना हमें स्किन या ब्लड कैंसर तक भी ले जा सकता है। इसके अलावा टैटू के और भी नुकसान है जिसे हम थोड़ी देर में समझने जा रहे हैं।

1. **इन्फेक्शन का खतरा**-टैटू बनाने के दौरान सुइयों का इस्तेमाल किया जाता है, जो आपकी स्किन की एक परत नीचे स्याही को इंजेक्ट करती हैं। अब यहाँ अगर सावधानी नहीं बरती जाती तो आपको नुकसान हो सकता है। अगर टैटू पार्लर सुइयों को ठीक तरीके से साफ नहीं रखता या इस्तेमाल के लिए सुइयों या और चीजों का स्टेबिलाइजेशन सही से नहीं किया गया तो आपको इससे इन्फेक्शन का खतरा हो सकता है।ऐसे इन्स्ट्रूमेंट्स जो इंफेकटेड या गंदे हैं उनके जरिए आपके शरीर में वायरस या बैक्टीरिया जा सकते हैं और फिर न सिर्फ स्किन को बल्कि पूरे शरीर को इससे अलग-अलग समस्याएं हो सकती हैं। एचआईवी और हेपेटाइटीस जैसी बीमारियों का भी ये कारण बन सकता है।
2. **एलर्जी और त्वचा की समस्याएं**-हम जिस इंक से अपने टैटू बनवाते हैं, उसमें केमिकल्स पाए जाते हैं। अमेरिकन एकडेमी ऑफ डर्मेटोलॉजी एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार ये केमिकल्स कुछ लोगों की स्किन में में एलर्जी रिएक्शन का कारण बन सकते हैं। यह एलर्जी खुजली, जलन, सूजन, लालिमा या चकत्ते के रूप में दिख सकती है। कुछ लोगों को रंगीन स्याही, खासकर लाल और हरे रंग की स्याही से एलर्जी होती है, जो त्वचा पर लंबे समय तक समस्या पैदा कर सकती है। इसके अलावा, टैटू बनवाने के बाद कुछ लोगों को त्वचा पर सेंसिटिविटी या सूजन भी हो सकती है।
3. **ग़लतियों की गुंजाइश**-टैटू शरीर पर परमानेंट निशान छोड़ते हैं। इसलिए इसमें ग़लतियों की गुंजाइश नहीं है। अगर टैटू की डिजाइन या स्थान आपके लिए बाद में मुसीबत बन जाए तो फिर उसे हटाना लगभग नामुमकिन या बहुत मुश्किल होगा।इसके लिए लेजर थेरेपी की जरूरत पड़ सकती है। कई बार टैटूज हटाने में लेजर थेरेपी भी काम नहीं आती और स्किन पर निशान बाकी ही रह जाते हैं।
4. **सनलाइट सेंसिटिविटी**-टैटू बनवाने के बाद कुछ और समस्याएं जन्म ले सकती हैं। जैसे ङ्क आपने जिस हिस्से पर टैटू बनवाया है, सूरज की रौशनी उस पर नुकसानदायक असर डाल सकती है। इस वजह से स्किन में जलन, लालिमा और सूजन जैसी समस्याएं हो सकती है। खासकर गर्मी के मौसम में, अगर टैटू पर सूर्य की सीधी किरणें पड़ती हैं।तो इससे त्वचा को नुकसान हो सकता है।

स्किन कैंसर और टैटू -रिपोर्ट्स कहती हैं कि इसके कम चांस हैं कि टैटू आपको स्किन कैंसर दे। लेकिन टैटू की इंक के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। मसलन, कैंसर ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट के मुताबिक टैटू की इंक न सिर्फ स्किन कैंसर का कारण बन सकती है, बल्कि इसमें पाया जाने वाला एक एक पदार्थ जिसका नाम कार्सिनोजेन है, वो कैंसर का कारण बन सकता है और आपके लीवर को कैंसर दे सकता है।रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि कई बार टैटू अपने उस हिस्से को इस तरह से कवर कर लेता है जहां स्किन कैंसर है या होने की संभावना है और फिर डायग्नोसिस में भी मुश्किलें आती हैं। इसलिए अगर आप इस तरह की दुविधा या डर से जूझ रहे हैं तो टैटू न बनवाने का ही फैसला ठीक है।

टैटू और ब्लड कैंसर -लैंसेट की एक रिपोर्ट सीधा इसी ओर इशारा करती है। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे लोग जिन्होंने दो साल के अंदर अपना पहला टैटू बनवाया है, उनके अंदर ब्लड कैंसर के खतरे किसी भी व्यक्ति से 21 प्रतिशत अधिक होते हैं। कई बार इसकी शुरुआत इंफेक्टेड सुई के इस्तेमाल की वजह से हुए इन्फेक्शन से होती है। यही इन्फेक्शन आगे चल कर बड़ी बीमारियों का खतरा दे देता है। हालांकि इस रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि सही सावधानी लेकर हम इन सारे खतरों से बच सकते हैं।

प्रेगनेंसी में कब्ज कर रही है परेशान

तो जानिए इसका कारण और छुटकारा पाने के घरेलू उपाय

प्रेगनेंसी के दौरान शरीर में प्रोजेस्टेरोन हार्मोन का स्तर बढ़ने लगता है। इससे बॉडी मसल्स में ऐंठन बढ़ने लगती है, जिनमें आंते भी शामिल हैं। ऐसे में आंतों का कार्य सुचारू रूप न हो पाने के कारण पाचन क्रिया धीमी होने लगती है। इससे कब्ज का सामना करना पड़ता है।गर्भावस्था के दौरान शरीर में कई तरह के बदलाव नज़र आने लगते है। कभी मूड स्विंग, तो कभी पीठ में दर्द, तो कभी कब्ज की समस्या। अक्सर महिलाओं को प्रेगनेंसी के दौरान कब्ज की समस्या का सामना करना पड़ता है। शरीर में पानी की कमी से लेकर हार्मोनल इंबैलेंस इस समस्या के कारणों में शुमार है। हांलाकि डे टू डे लाइफ की इन समस्याओं का उपचार संभव है। घरेलू नुस्खे इस समस्या से राहत दिलाने में कारगर साबित होते हैं। जानते हैं प्रेगनेंसी के दौरान कब्ज का कारण और राहत पाने के उपाय भी।

प्रेगनेंसी में क्यों बढ़ती है कब्ज की समस्या-इस बारे में गायनोगोलॉजिस्ट डॉ शिवानी सिंह बताती हैं कि प्रेगनेंसी के दौरान शरीर में प्रोजेस्टेरोन हार्मोन का स्तर बढ़ने लगता है। इससे बॉडी मसल्स में ऐंठन बढ़ने लगती है, जिनमें आंते भी शामिल हैं। ऐसे में आंतों का कार्य सुचारू रूप न हो पाने के कारण पाचन क्रिया धीमी होने लगती है। इससे कब्ज का सामना करना पड़ता है। एक्टा ऑब्सटेट्रिशिया एट गाइनेकोलॉजिकल स्कैंडिनेविका के अनुसारए लगभग चार में से तीन गर्भवती महिलाओं को किसी न किसी समय कब्ज और अन्य आंत्र समस्याओं का अनुभव होने की संभावना बनी रहती है। बच्चे की ग्रोथ के साथ यूट्रस पर दबाव बढ़ने लगता है। इससे शरीर में ब्लोटिंग बढ़ने लगती है, जिससे शरीर को कब्ज का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा शरीर का वज़न बढ़ने से शरीर का लचीलापन कम होने लगता है और कब्ज की समस्या बनी रहती है। इसके लिए शरीर को हाइड्रेटेड रखना आवश्यक है और आहार में फाइबर की भरपूर मात्रा को शामिल करें। इसके अलावा देर तक बैठने और खड़े होने से भी परहेज करें। **फाइबर रिच फूड का करें सेवन**-गर्भवती महिलाओं को दिनभर में 25 से 30 ग्राम फाइबर की मात्रा लेने की सलाह दी जाती है। इसमें मौसमी फलों और सब्जियों के अलावा साबुत अनाज, दालों और नट्स को भी शामिल करना चाहिए। इससे शरीर को फाइबर के अलावा एंटीऑक्सीडेंट्स की भी प्राप्ति होती है, जिससे शरीर में बढ़ने वाले ऑक्सीडेटिव तनाव से राहजत मिल जाती है। हरी पत्तेदार सब्जियों को सूप से लेकर रेसिपाज़ तक हर चीज़ में इस्तेमाल करना चाहिए।

भरपूर मात्रा में पानी पीएं-खासतौर से सर्दियों में निर्जलीकरण की समस्या बनी रहती है। ऐसे में वे महिलाएं जो गर्भव्ती है, उन्हें दिन में 8 से 10 गिलास पानी अवश्य पीने चाहिएं। इसके अलावा वॉटर कंटेट से भरपूर फलों का सेवन करें और आहार में सूप, मिल्क शेक्स और स्मूदी को भी शामिल करें। इससे शरीर में बढ़ने वाली डिहाइड्रेशन की समस्या से बचा जा सकता है और शरीर एक्टिव बना रहता है।

3.स्मॉल मील्स लें-ऐसे में ओवरइटिंग करने से बचें और एक समय में अधिक मात्रा में खाना डाइजेशन को स्लो बना सकता है। तीन बड़ी मील्स को छ छोटी मील्स से रिप्लेस कर लें। इससे पेट में बनने वाली गैस, अपच और ब्लोटिंग को कम किया जा सकता है। **4. प्रोबायोटिक्स को आहार में शामिल करें**-आहार में दही और उससे बनी चीजों को शामिल करे। इससे पाचनतंत्र एचित बना रहता है और इंटेस्टाइन में गुड बैक्टीरिया की मात्रा बढ़ने लगती है। दरअसल, प्रोबायोटिक्स की मदद से फूड ब्रेक डाउन में मदद मिलती है, जिससे पाचनतंत्र उचित बना रहता है। **5. शारीरिक गतिविधि आवश्यक है**-अधिक समय आराम करने से शरीर में लचीलापन कम होने लगता है। ऐसे में कब्ज की समस्या बढ़ती चली जाती है। इससे बचने के लिए शरीर की सक्रियता को बनाए रखना आवश्यक है और पीठ व कमर में बढ़ने वाली ऐंइन से भी बचा जा सकता है।

6. प्री नेटल योगा है ज़रूरी-गर्भवती महिलाओं के लिए स्ट्रेचिंग कई तरह से लाभदायक साबित होती है। इससे शरीर फिट और तनावमुक्त बना रहता है। प्रेगनेंसी में बढ़ने वाले दर्द भी कम होने लगते है।

सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था ने कर्णपाल यादव को सौंपी झुंझुनूं जिले की जिम्मेदारी

अहीरवाल क्षेत्र की संस्कृति, इतिहास व परंपराओं के संरक्षण को मिलेगा नया बल

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल/झुंझुनूं।

सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था द्वारा अहीरवाल क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन को गति देने के उद्देश्य से संगठनात्मक विस्तार करते हुए राजस्थान क्षेत्र के झुंझुनूं जिले का संयोजक कर्णपाल यादव को नियुक्त किया गया है। इस संबंध में केंद्रीय कार्यालय नारनौल से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी गई। संस्था के अनुसार अहीरवाल क्षेत्र हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के तीन राज्यों एवं नौ जिलों में विस्तृत है, जहां की प्राचीन संस्कृति, इतिहास और परंपराओं को संरक्षित करने के लिए संस्था लंबे समय से कार्य कर रही है। संस्था द्वारा अब तक क्षेत्र के लगभग 2500 गांवों का ऐतिहासिक लेखन कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगा।

संस्था के निदेशक सत्यव्रत शास्त्री ने बताया कि अहीरवाल की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को पुनः वैभव दिलाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके अंतर्गत पूर्वजों द्वारा स्थापित मान-बिंदुओं, परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को वर्तमान पीढ़ी से जोड़ने तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सतत प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि आगामी समय में सभी इकाइयों द्वारा संकलित इतिहास को प्रकाशित कर जन-जन तक पहुंचाया जाएगा, साथ ही अहीरवाल क्षेत्र के सांस्कृतिक एवं धार्मिक पर्यटन केंद्रों को विश्व मानचित्र पर स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि लोगों में इसके प्रति आकर्षण बढ़ सके। संगठन द्वारा कर्णपाल यादव को संयोजक नियुक्त किए जाने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर सुनील कुमार, राजकुमार, प्रदीप यादव, मनोज यादव, अनिल कुमार, ओमप्रकाश रावत, संदीप जांगिड़, शीशराम यादव सहित अन्य सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनकी नियुक्ति से संगठन के कार्यों को नई गति मिलेगी। वक्ताओं ने कहा कि संस्था पिछले पांच वर्षों से निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है और नई जिम्मेदारियों के साथ यह अभियान और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ेगा।

चिड़ावाः संस्था प्रधानों की वाकपीठ में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नामांकन वृद्धि पर चर्चा

शिक्षक ही राष्ट्र का असली निर्माता, विद्यार्थियों में जगाएं नैतिक मूल्य- राजेश दहिया

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

स्थानीय सोमरा मैरिज गार्डन में सोमवार को ब्लॉक स्तरीय संस्था प्रधानों की सत्रारम्भ वाकपीठ का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा नेता राजेश दहिया ने शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि एक शिक्षक न केवल कक्षा में पढ़ाता है, बल्कि वह राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करता है। उन्होंने संस्था प्रधानों से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और नैतिक शिक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की।

वाकपीठ में शिक्षा के स्तर को उन्नत बनाने के लिए विभिन्न सत्र आयोजित किए गए, जिसमें वार्ताकारों ने अपने अनुभव साझा किए जिनमें पुष्पा ढाका, सुशील कुमार शर्मा, चंद्रशेखर सूनिया और महेश चंद्र भांभू ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सरकारी स्कूलों में नामांकन बढ़ाने तथा विद्यालयों में अनुशासन व श्रेष्ठ प्रशासन स्थापित करने पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाकपीठ अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह डारा (प्रधानाचार्य, किशोरपुरा) ने की। प्रशासनिक अधिकारियों में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी डॉ. उमादत झाझडिया, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार पायल एवं डॉ. कयूम अली ने भी मार्गदर्शन दिया। मंच पर सचिव पुष्पा ढाका और प्राथमिक संस्था प्रधान प्रतिनिधि गंगाधर सैनी भी आसीन रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रदीप मोदी एवं अनुज लमोरिया द्वारा किया गया। आयोजन के दौरान जलपान व भोजन की सुव्यवस्थित व्यवस्था रही, जिसमें ब्लॉक के सभी संस्था प्रधानों ने सहभागिता की।

नीमराना औद्योगिक क्षेत्र में मजदूरों का उग्र प्रदर्शनः वेतन वृद्धि की मांग, 6 हिरासत में, थाने की ओर कूच

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । कोटपूतली-बहरोड़ जिले के नीमराना औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार को वेतन वृद्धि की मांग को लेकर मजदूरों ने जोरदार प्रदर्शन किया। इंडियन और जापानी जोन की कंपनियों हेलोज पैकेजिंग और एस्टमो के बाहर बड़ी संख्या में मजदूर इकट्ठा हुए और कंपनी प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि लंबे समय से उनके वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। मजदूरों का कहना है कि बढ़ती महंगाई के कारण परिवार का पालन-पोषण करना मुश्किल हो गया है, जबकि प्रबंधन उनकी मांगों को लगातार नजरअंदाज कर रहा है। प्रदर्शन के दौरान कुछ मजदूरों के उग्र होने का प्रयास करने पर पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए 6 लोगों को हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए साथियों को छुड़वाने के लिए कंपनी मजदूर सभा कर सैकड़ों वर्कर्स नीमराना थाने की ओर कूच करने लगे। हालांकि पुलिस प्रशासन ने उन्हें थाने से करीब 100 मीटर पहले ही रोक लिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए नीमराना एसडीएम महेंद्र सिंह यादव, एडिशनल एसपी सुरेश खींची, नीमराना डीएसपी चारुल गुप्ता और थाना प्रभारी राजेश मीणा मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने की अपील की और मजदूरों से वार्ता की। मजदूरों के समर्थन में सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के लोग भी मौके पर पहुंचे।भीम आर्मी के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र मेहरा और अलवर जिला परिषद के वार्ड नंबर 8 से कांग्रेस प्रत्याशी रहे संदीप यादव फौलादपुरिया ने भी पुलिस प्रशासन से मजदूरों की मांगों को लेकर बातचीत की। कंपनी मजदूरों की मुख्य मांग है कि उनकी सैलरी बढ़ाई जाए और हिरासत में लिए गए 6 कंपनी श्रमिकों को रिहा किया जाए। प्रदर्शन के दौरान मजदूरों और प्रशासन के बीच समझाइश का दौर जारी रहा। मजदूरों ने अपनी मांगों को लेकर प्रशासन को पत्र भी सौंपा। गौरतलब है कि दो दिन पहले ही नीमराना की निडेक कंपनी में भी मजदूरों ने वेतन वृद्धि सहित विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया था। लगातार हो रहे प्रदर्शनों से औद्योगिक क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

अवकाश कटौती के विरोध में गरजे शिक्षकः राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं

राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) के आह्वान पर सोमवार को जिले भर के शिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर हुंकार भरी। शिविरा पंचांग सत्र 2026-27 में ग्रीष्मावकाश में की गई कटौती और संस्था प्रधान के विवेक पर निर्भर दो अधिकृत अवकाशों को समाप्त करने के विरोध में शिक्षकों ने जिला कलेक्ट्रेट के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। आंदोलन के तीसरे चरण के तहत शिक्षकों ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द इन निर्णयों को वापस लेने की मांग की। मुख्य महामंत्री उम्मेद सिंह डूडी ने बताया कि संगठन अपनी मांगों को लेकर चरणबद्ध तरीके से विरोध दर्ज करा रहा है। **उन्होंने आंदोलन की रूपरेखा साझा करते हुए कहाः** प्रथम चरणः शिक्षकों ने स्कूलों में काली पट्टी बांधकर अपना विरोध जताया। द्वितीय चरणः उपखंड मुख्यालयों पर उपखंड अधिकारियों (स्थ्ठह) के माध्यम से सरकार तक बात पहुंचाई गई। तृतीय चरणः आज जिला स्तर पर प्रदर्शन कर कलेक्ट्रेट के माध्यम से ज्ञापन भेजा गया। शिक्षकों का मुख्य विरोध शिविरा पंचांग में ग्रीष्मकालीन अवकाश की अवधि कम करने और प्रधानाध्यापकों के विशेषाधिकार (दो स्थानीय अवकाश) को खत्म करने को लेकर है। संघ का मानना है कि यह शिक्षकों के हक पर कुठाराघात है और इससे शैक्षणिक माहौल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

आज के जिला स्तरीय प्रदर्शन में प्रदेश संगठन महामंत्री निरंजन शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष सुबेन्द्र बिजारणीया, महेंद्र पूनिया, महेश सैनी, जिलाध्यक्ष अशोक कुल्हरी, जिला मंत्री सुदेश यादव, प्रमेन्द्र काजला, वेदप्रकाश, रतिराम धींवा, रामफल गुरावा, अमित बराला, मुकेश शर्मा, मनोज कुमार, राकेश कुल्हरी, चरण सिंह, विकास बुडानिया, विनोद चौधरी, दिनेश जांगिड़, नरेश सिंह, सहदेव यादव, जयपाल, ताराचंद सोनी, सरोज धायल, वंदना कंस्वा, लक्ष्मी तेतरवाल, मुन्नी जी, लिलाधर चाहर, राम सिंह राहड़, राम सिंह कुल्हरी, शेरसिंह, सतवीर बराला, राजवीर डूडी, निलेश डूडी, संजीव कुल्हरी, संजीव कड़वासरा, अमर सिंह और राजपाल जानू समेत बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

बिसाऊ में हर्षोल्लास से मनाई गई परशुराम जयंती, 41 मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा विधानसभा क्षेत्र के बिसाऊ में सर्व ब्राह्मण एकता मंच बिसाऊ द्वारा रविवार शाम सोती भवन में भगवान परशुराम जी की जयंती को महोत्सव के रूप में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ मेधावी विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया तथा 51 दीपकों से भव्य महाआरती की गई। कार्यक्रम के दौरान ब्राह्मण समाज के 41 मेधावी विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरू हुए इस आयोजन में सरस्वती वंदना ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि किसी को भी मुख्य अथवा विशिष्ट अतिथि नहीं बनाया गया, बल्कि उपस्थित सभी ब्राह्मण बंधुओं को समान रूप से अतिथि मानते हुए उनके हाथों से ही विद्यार्थियों को सम्मानित कराया गया। साथ ही सभी के लिए एक समान बैठक व्यवस्था की गई, जो सामाजिक एकता का संदेश देती नजर आई। कार्यक्रम में जिला, तहसील एवं नगर स्तर के संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे। आयोजन की व्यवस्था में करीब 15 कार्यकर्ता सक्रिय रूप से जुटे रहें। इस अवसर पर बिसाऊ शहर के विभिन्न क्षेत्रों से ब्राह्मण समाज के महिला, पुरुष, बच्चे एवं बुजुर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम सफल रहा। अंत में सर्व ब्राह्मण एकता मंच के कार्यकर्ताओं ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए शीतल पेय पदार्थ एवं प्रसाद का वितरण किया। इस भव्य आयोजन ने बिसाऊ शहर में एक नया ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित करते हुए ब्राह्मण समाज का गौरव बढ़ाया है, जिसकी क्षेत्र में व्यापक चर्चा हो रही है।

चंवरा के सिलेंडर ब्लास्ट पीड़ित परिवार की आर्थिक मदद को आगे आए भामाशाह

पीड़ित परिवार के पास तन के कपड़ों के अलावा शेष कुछ भी नहीं बचा पीड़ित परिवार ने लगाई लोगों से मदद की गुहार

भीम प्रज्ञा न्यूज.चंवरा।

दुखियारे परिवार ने कहा अब विश्वास जगा है कि हमारा उजड़ा हुआ घर बसेगा

सुमेर मीणा । किशोरपुरा सड़क पर मोरिंडा के पास तीन दिन पहले रसोई गैस सिलेंडर ब्लास्ट होने से गरीब असहाय शंकर लाल मेघवाल का पुरा मकान ध्वस्त हो गया था। घटना के बाद से शासन-प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी तथा एचपीसीएल कम्पनी के अजमेर से अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचे थे । जिन्होंने सिर्फ कागजों में खानापूर्ति कर पीड़ित परिवार को कोरा आश्वासन देकर चले गये। किसी ने भी पीड़ित परिवार की रहने खाने की व्यवस्था नहीं की । लेकिन पीड़ित परिवार ने आमजन से मदद की गुहार लगाई तो तीसरे दिन सोमवार को सुरेश मीणा किशोरपुरा के नेतृत्व में क्षेत्र के दर्जनों समाजसेवी भामाशाह पीड़ित परिवार की मदद को लेकर फरिश्ते बनकर आये । जिनमें चंवरा निवासी कारोबारी पंकज गुप्ता,युवा नेता रविंद्र सिंह पोंख,पप्पू जी पारिक गुढ़ा, हरिदास जी महाराज चामुंडा माता मन्दिर किशोरपुरा,पुर्व सरपंच शीशराम खटाणा,राजेश खटाणा किशोरपुरा,गजराज सिंह कथावाचक चंवरा,डिलर राजवीर खटाणा,मेघवंशी समाज जनचेतना संस्थान,ककराणा से किशन लगरी,फौजी नरेश चनेजा,छात्र नेता विकास गुर्जर, भागुराम गुर्जर चंवरा,दिनेश महरिया, धवल बिछवाल, श्रीराम महारानियां, महेश कुमार बाण्डियानला, राजकुंवर शेखावत किशोरपुरा, नोरंगलाल सैनी ज्योतिबा नगर, नागरमल सिलोलिया,रविन्द्र महारानियां, सुरेंद्र कुमार सहित दर्जनों लोगों ने नकद सहायता राशि पीड़ित परिवार को प्रदान की । इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि पीड़ित परिवार को दुखी नहीं होने दिया जाएगा । मदद के लिए हरसंभव खड़े रहेंगे। अब तक इन्होंने की मदद 51 हजार रुपए नकद 35 गद्दा 10 चादर ओर 5 बोरी गेहूं की पंकज गुप्ता कारोबारी चंवरा,एक ट्राली ब्लॉक 5 किंव्टल गेहूं 5 पीपे सरसों तेल का एवं 12 महीनों की सम्पूर्ण रसोई सामग्री,21 हजार रुपए पप्पू पारिक गुढ़ा,17 हजार रुपए सुरेंद्र सिंह बगड़िया सुल्ताना एचपी गैस एजेंसी, 11 हजार रूपए कन्हैयालाल सैनी ठेकेदार चंवरा,5 हजार रूपए शिंभू सैनी पूर्व सरपंच किशोरपुरा,5 हजार रूपए तहसीलदार झण्डू राम कुड़ी,5 हजार रूपए चंवरा पटवारी ओम सिंह सैनी,5 हजार रूपए किशन मास्टर किशोरपुरा,33 सौ रुपए राजवीर खटाणा,21 सौ रुपए महेंद्र सिंह कड़वासरा,21 सौ रुपए राजेश खटाणा किशोरपुरा,21 सौ रुपए दिनेश महरिया,11 सौ रुपए केके सैनी किशोरपुरा,11 सौ रुपए छात्र नेता विकास गुर्जर,11 सौ रुपए किशन लगरी ककराणा,11 सौ रुपए फौजी नरेश चनेजा,11 सौ रुपए गजराज सिंह कथावाचक चंवरा,11 सौ रुपए भागुराम गुर्जर,11 सौ रुपए नकद 50 किलो गेहूं महेश कुमार बाण्डियानला,11 सौ रुपए राजकुंवर किशोरपुरा,21 सौ रुपए नोरंग लाल सैनी पोंख,10 कट्टे सीमेंट रविन्द्र महारानियां सहित सैकड़ों लोगों ने की मदद । इस मौके पर हरिदास महाराज चामुंडा माता मंदिर किशोरपुरा, मीन सेना प्रमुख सुरेश मीणा किशोरपुरा, ककराना के पूर्व सरपंच शीशराम खटाना,युवा नेता रविंद्र सिंह पोंख,समाजसेवी राजवीर खटाना, समाजसेवी राजेश खटाणा किशोरपुरा, किशोरपुरा सरपंच मोहनलाल सैनी युवा नेता सुरेश दोराता,विजेन्द्र गोठवाल छात्र नेता विकास गुर्जर, भागुराम गुर्जर, लीलाराम खटाना,दिनेश मेहरिया,महेश कुमार,महेंद्र कड़वासरा,जितेन्द्र गोठवाल,श्रीराम महारानियां, टेकचंद खींची सहित सैकड़ों लोग रहे उपस्थित।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 9 मई को

हेल्पलाइन नंबर 01282-250322 पर फोन कर ले सकते हैं कानूनी जानकारीः सीजेएम नीलम कुमारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशानुसार जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र सूरा के मार्गदर्शन में आगामी 9 मई को न्यायिक परिसर नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन, मोटर व्हीकल एक्सीडेंट, एनडीपीएस एक्ट, फौजदारी, दीवानी, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद का निपटारा किया जाएगा। सीजेएम ने बताया कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति का कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो वह राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उसका निस्तारण करवा सकता है। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के हेल्पलाइन नंबर 01282-250322 पर भी फोन कर आमजन लोक अदालत व अन्य कानूनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा नालसा के हेल्पलाइन नंबर 15100 पर भी कॉल कर कानूनी जानकारी ले सकते हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर धार्मिक व पर्यटन स्थलों की स्वच्छता सर्वोच्च प्राथमिकताः के.के. गुप्ता

'पर्यटन केंद्र अर्थव्यवस्था की नींव, धार्मिक स्थल आस्था का प्रतिबिंब '

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान के धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता को लेकर प्रदेश सरकार गंभीर है। स्वच्छ भारत मिशन शहर 2.0 के प्रदेश ब्रांड एंबेसडर एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के प्रदेश समन्वयक के.के. गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के स्पष्ट निर्देश हैं कि प्रदेश के सभी धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को प्राथमिकता के आधार पर स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाया जाए। गुप्ता ने कहा कि राजस्थान अपनी समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों, भव्य किलों, मंदिरों और झीलों के कारण देश-विदेश में विशेष पहचान रखता है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु और पर्यटक यहां पहुंचते हैं, ऐसे में इन स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि समाज और हर नागरिक की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि पुष्कर, खाटूश्यामजी, सालासर बालाजी, नाथद्वारा, अजमेर शरीफ दरगाह, रणकपुर जैन मंदिर और श्रीनाथजी मंदिर जैसे प्रमुख धार्मिक स्थल आस्था के केंद्र हैं। वहीं जयपुर का आमेर किला, उदयपुर की झीलें, जैसलमेर किला, चित्तौड़गढ़ दुर्ग, माउंट आबू, कुंभलगढ़ और रणथंभौर जैसे पर्यटन स्थल प्रदेश की पहचान हैं। इन स्थानों पर स्वच्छता न केवल श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर अनुभव देती है, बल्कि राज्य की छवि को भी मजबूत बनाती है। गुप्ता ने चिंता जताते हुए कहा कि कई स्थानों पर प्लास्टिक कचरा, गंदगी, अव्यवस्थित शौचालय और पेयजल की कमी जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं, जिससे पर्यटकों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी प्रमुख स्थलों पर नियमित सफाई, पर्याप्त कचरा पात्र, स्वच्छ पेयजल, आधुनिक शौचालय, प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र और जागरूकता बोर्ड अनिवार्य किए जाएं। साथ ही स्थानीय निकायों, मंदिर ट्रस्ट, पर्यटन विभाग और स्वयंसेवी संगठनों को मिलकर अभियान चलाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि श्रद्धालु और पर्यटक स्वयं भी स्वच्छता का ध्यान रखें और कचरा इधर-उधर न फैलाएं, तो राजस्थान देश का सबसे स्वच्छ पर्यटन प्रदेश बन सकता है। मुख्यमंत्री ने भी स्पष्ट किया है कि स्वच्छता और सौंदर्यकरण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

■ **पर्यटन और स्वच्छता का गहरा संबंध -** गुप्ता ने बताया कि पर्यटन राजस्थान की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ है। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों से लेकर जैसलमेर के धोरों तक, हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। यदि 'जीरो वेस्ट' नीति लागू की जाए, तो पर्यटकों की संख्या में 50-60 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है।

■ **रोजगार और अर्थव्यवस्था को मिलता है बल -** उन्होंने कहा कि पर्यटन से केवल बड़े उद्योग ही नहीं, बल्कि छोटे दुकानदारों, टैक्सी चालकों, गाइडों, फोटोग्राफरों, लोक कलाकारों और कारीगरों को भी रोजगार मिलता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों तक आर्थिक गतिविधियां पहुंचती हैं और स्थानीय लोगों की आय बढ़ती है।

■ **आस्था और सामाजिक समरसता के केंद्र हैं मंदिर -** गुप्ता ने कहा कि प्रदेश के मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक ऊर्जा के केंद्र भी हैं। यहां होने वाले धार्मिक आयोजन, भजन-कीर्तन और सेवा कार्य समाज को जोड़ने का काम करते हैं। साथ ही इन स्थलों से जुड़े छोटे व्यापारियों और सेवा क्षेत्र के लोगों की आजीविका भी चलती है। उन्होंने अंत में कहा कि यदि स्वच्छता को राजस्थान की पहचान का हिस्सा बना दिया जाए, तो प्रदेश की सुंदरता में चार चांद लग सकते हैं और आने वाली पीढ़ियां भी इस समृद्ध विरासत पर गर्व कर सकेंगी।

हर शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक्शन टेकन रिपोर्ट भेजें अधिकारी: डीसी अनुपमा अंजलि

समाधान शिविर में 74 नागरिकों ने रखी समस्याएं

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

समाधान शिविर नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए एक बहुत ही बेहतरीन प्लेटफार्म है। ऐसे में यहां आने वाली हर शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक्शन टेकन रिपोर्ट भेजी जाए ताकि वह शिकायत बार-बार ना आए। ये निर्देश उपायुक्त अनुपमा अंजलि (आईएएस) ने सोमवार को लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर के दौरान उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए दिए। आज लगे समाधान शिविर में 74 नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखी। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि हम सबका यह कर्तव्य बनता है कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं तथा सेवाओं का लाभ आम जनता तक जल्द से जल्द पहुंचे। उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रत्येक सोमवार तथा वीरवार को सभी उपमंडल में 10 से 12 बजे तक इन समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से आमजन की शिकायतों का तुरंत प्रभाव से निपटारा सुनिश्चित किया जा रहा है, जो कि हरियाणा सरकार की एक बहुत ही बेहतरीन पहल है।

शिविर के दौरान पुलिस अधीक्षक दीपक ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की और उनके समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। इस बैठक में एसडीएम नारनौल अनिरुद्ध यादव, डीएमसी रणवीर सिंह, जिला परिषद के सीईओ डॉ निर्मल नागर तथा नगराधीश डॉ. मंगल सेन के अलावा अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहें।

सीजेएम नीलम कुमारी ने बंदियों के अधिकार, विधवा सेल व गुमशुदा बच्चों की सुरक्षा के संबंध में ली बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने आज अपने कार्यालय में जेल में बंद गरीब कैदियों के कानूनी अधिकार, विधवा सेल की कार्यप्रणाली और गुमशुदा बच्चों से संबंधित संशोधित 'मॉडल प्रोसिक्यूशन स्कीम 2022' के प्रभावी कार्यान्वयन के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक की। सीजेएम नीलम कुमारी ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों को न्याय दिलाना और सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। उन्होंने गरीब बंदियों के अधिकार के बारे में अधिकारियों को निर्देश दिए कि आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों को समय पर मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाए ताकि कोई भी व्यक्ति गरीबी के कारण न्याय से वंचित न रहे। साथ ही विधवाओं के कल्याण और उनकी सुरक्षा के लिए बनाए गए सेल की स्थिति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विधवा महिलाओं को मूलभूत सुविधाएं और उनके अधिकार समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किए जाएं। सीजेएम ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही पेंशन, ऋण और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र महिलाओं को मिले, यह सुनिश्चित करना संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। सीजेएम नीलम कुमारी ने गुमशुदा बच्चों की तलाश और उनके पुनर्वास के लिए 'मॉडल प्रोसिक्यूशन स्कीम 2022' के तहत पुलिस और बाल कल्याण समितियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल दिया। बैठक के अंत में सचिव नीलम कुमारी ने सभी विभागों को आपसी तालमेल के साथ काम करने का निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी जतिन गुजराल, नगराधीश डॉ मंगल सैन, डीएसपी भारत भूषण, जिला जेल अधीक्षक संजय बांगर, जिला कार्यक्रम अधिकारी शालू यादव, महिला थाना प्रभारी मंजूषा, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष राजेश गोयल, सुरेश कुमार एवं पैनल अधिवक्ता गिरिबाला यादव मौजूद थी।

अखिल भारतीय सर्वधर्म महासभा रजि.के तंवर राष्ट्रीय संरक्षक व सैनी राष्ट्रीय प्रवक्ता बने

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

अखिल भारतीय सर्वधर्म महासभा (ट्रस्ट) रजि. के राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष इंजीनियर टीकमचंद परिवार ने ट्रस्ट का विस्तार करते हुए ट्रस्ट में राष्ट्रीय संरक्षक व राष्ट्रीय प्रवक्ता पद पर नियुक्ति पत्र जारी किया है। ट्रस्ट की ओर से जारी नियुक्ति पत्र में जयपुर निवासी समाजसेवी भामाशाह व्यवसायी जितेंद्र तंवर को राष्ट्रीय संरक्षक व लक्ष्मनगढ निवासी सामाजिक कार्यकर्ता पत्रकार बाबूलाल सैनी को राष्ट्रीय प्रवक्ता पद पर मनोनीत किया गया। दोनों की नियुक्ति पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों, सदस्यों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर परिहार का आभार व्यक्त किया है।

भाजपा नेता बबलू चौधरी के नेतृत्व में झुझुनू विधानसभा से कार्यकर्ता जयपुर पहुंचे

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं

अरुण मूंड । नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिला आरक्षण बिल का संसद में कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों द्वारा विरोध कर उसे पास करवाने में रोड़ा बनने तथा इनके द्वारा महिलाओं के अधिकारो पर वार करने के विरोध में भाजपा प्रदेश नेतृत्व द्वारा जयपुर में आयोजित जन आक्रोश महिला सम्मेलन में झुझुनू जिले की झुझुनूँ विधानसभा से भाजपा नेता निशित बबलू चौधरी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता महिलाएं व पुरुष जयपुर जन आक्रोश कार्यक्रम में शामिल हुए । भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुलहरी के निर्देशन में तथा भाजपा नेता बबलू चौधरी के नेतृत्व में विधानसभा से बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष कार्यकर्ता बस व निजी वाहनों से जयपुर भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित जन आक्रोश महिला सम्मेलन एव पद यात्रा में शामिल हुए । इस अवसर पर भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष कमल कान्त शर्मा, जगदीश गोस्वामी, अनिल जोशी, कृष्ण कुमार पुरोहित, श्रीमती सावित्री सैनी, सुशीला झाझड़िया, अनीता सैनी, विनोद कंवर, संतोष चौधरी, मनीषा सैनी, मंजू, मुन्नी, प्रमिला, रक्षा, चंदा, रितु सैनी, माया, विनीता, ऋतु , सुधा, परमेश्वरी, प्रभा देवी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष जयपुर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए ।

उद्यमी प्यारेलाल किरोडीवाल के सुपुत्र के विवाह में लक्ष्मणगढ़ प्रतिनिधिमंडल की शिरकत

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

फदनपुरा निवासी एवं वर्तमान में कोलकाता में स्थापित उद्यमी प्यारेलाल किरोडीवाल के सुपुत्र सीए अभिषेक के विवाह समारोह में महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति, लक्ष्मणगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने नवदंपति को सुखद एवं दीर्घायु दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं देते हुए बधाई पत्र भेंट किया। इस अवसर पर समिति के संयोजक सज्जन कुमार सैनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कम्मा (भूदा का बास), भूमि प्रदाता विनोद कुमार गौड़, प्रोजेक्ट एडवाइजर महावीर प्रसाद जाजम, प्रवक्ता मनोज राकसिया सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम में मावलियों की ढाणी के जगदीश प्रसाद सिंगोदिया, ओमप्रकाश सिंगोदिया, अंबेडकर विचार समिति लक्ष्मणगढ़ के अध्यक्ष भागीरथ सिंह, रामेश्वर लाल सैनी, पूर्व सरपंच बीरबल सैनी, बाबूलाल सैनी सहित क्षेत्र के उद्यमी, व्यापारी, अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, परिजन एवं बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन मौजूद रहे।समारोह हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सम्पन्न हुआ।

बुहाना में HPV टीकाकरण अभियान को लेकर निजी स्कूल संचालकों की बैठक आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

उपखण्ड अधिकारी पूनम मीणा की अध्यक्षता में सोमवार को सीबीओ कार्यालय में HPV टीकाकरण अभियान के सफल संचालन को लेकर निजी स्कूल संचालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीबीओ वेद प्रकाश एवं बीसीएमओ डॉ. जयवीर सिंह भगासरा ने संस्था प्रधानों को HPV वैक्सीन के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को सरकार द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। अधिकारियों ने स्कूल संचालकों से इस आयु वर्ग की किशोरियों एवं उनके अभिभावकों को जागरूक करने और टीकाकरण के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। डॉ. भगासरा ने स्पष्ट किया कि यह वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है और सर्वाइकल कैंसर से बचाव में प्रभावी है। उपखण्ड अधिकारी पूनम मीणा ने बताया कि 24 अप्रैल 2026 से HPV टीकाकरण अभियान शुरू किया जाएगा। इस दौरान सभी सीएचसी एवं पीएचसी केंद्रों पर निशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने अधिक से अधिक किशोरियों को टीका लगवाने पर जोर देते हुए इसे स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। बैठक में उपस्थित सभी स्कूल संचालकों ने अभियान को सफल बनाने में सहयोग का आश्वासन दिया।

दो दिवसीय कबड्डी लीग के बालिका वर्ग में एसआरजी सीकर व बालक वर्ग में हरि पुनिया हरियाणा की टीम रही विजेता

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राम नारायण रूईया शेखावाटी स्पोर्ट्स एकेडमी रामगढ़ शेखावाटी की ओर से आयोजित दो दिवसीय भव्य कबड्डी में एसजीआर सीकर और हरी पुनिया हरियाणा की टीम विजेता रही।कार्यक्रम के समापन समारोह में प्रकाश कीर्तनिया, सुधीर शर्मा, सुरेश सैनी वबजरंग जी वर्मा मंचस्थ अतिथि। जिन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले में एसआरजी सीकर को विजेता टीम को 31हजार रुपये की नकद राशि और ट्रॉफी जबकि तोशाम भिवानी की टीम उपविजेता रही। जिसे 21 हजार रुपये व ट्राफी प्रदान की गई। प्रतियोगिता में रेणुका को उत्कृष्ट खेल के लिए 'बेस्ट रेडर' के रुप में 11 हजार रुपए व ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के बालक वर्ग में हरी पुनिया हरियाणा की टीम ने विजेता रहने पर 21हजार रूपए व ट्राफी व करोली की टीम उपविजेता रहने पर 11 हजार रुपए व ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया। जबकि बालक वर्ग बॉयज वर्ग में आकाश को 'बेस्ट रेडर' के रूप में चयनित होने पर 11 हजार रुपये व ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में 48 टीमों ने भाग लिया ।जिसमें 30 बालक वर्ग 18 बालिका टीमें शामिल थीं।

स्टडी प्वाइंट कोचिंग अमरसिंहपूरा का छात्र निशांत नवोदय व सैनिक स्कूल में चयनित, ग्रामीणों ने किया भव्य सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

स्टडी प्वाइंट कोचिंग क्लास, अमरसिंहपूरा के छात्र निशांत ने नवोदय विद्यालय और सैनिक स्कूल दोनों में चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर अमरसिंहपूरा खेल मैदान में ग्रामीणों और कोचिंग संचालक जितेश तुन्दवाल द्वारा छात्र का माला व साफा पहनाकर भव्य सम्मान किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन विजय सिंह (पीटीआई) ने किया। इस दौरान निशांत की बहन कोमल ने सरस्वती पूजा कर तिलक लगाकर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंद्रसिंह, महावीर सिंह, छगन सिंह, सुगन सिंह, विजेंद्र सिंह (ड्राइवर), सतीश सिंह, कुलदीप सिंह एवं बलबीर सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों ने छात्र के पिता जोगेंद्र सिंह व माता प्रीति को भी माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया। खेल मैदान के कोच हेमंत थालौर ने बताया कि निशांत पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी अनुशासन के साथ रुचि रखता था। वहीं आर्मी में चयनित आदित्य शेरसिंह और आनंद ने सैनिक स्कूल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में रामेश्वर वकील, रणधीर सिंह, होशियार सिंह, नरेश, प्रवीण सिंह, अजीत सिंह, जयप्रकाश, राहुल, तरुण, सुनील जांगिड़, मुनेष कपिल गोठड़ीया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें। अंत में ग्रामीणों व कोचिंग के विद्यार्थियों ने डीजे के साथ बिजौली-अमरसिंहपूरा मार्ग पर जुलूस निकालकर खुशी जताई और गांव में शिक्षा व अनुशासन के प्रति प्रेरणा का संदेश दिया, ताकि अन्य बच्चों में भी आगे बढ़ने का उत्साह जागृत हो सकें।

फतेहाबाद पुलिस अधीक्षक श्रीमती निकिता खट्टर का नशा तस्करों पर कड़ा प्रहार: 6 ग्राम हेरोइन सहित युवक काबू

गुरुनानकपुरा चौकी की टीम ने रतिया बाईपास पुल के नीचे की छापेमारी कर आरोपी को दबोचा

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा 'नशा मुक्त फतेहाबाद' अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए, फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को हेरोइन (चिट्टा) सहित काबू किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पंकज पुत्र विनोद कुमार, निवासी अलीका के रूप में हुई हैथाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरिक्षक सुरेन्द्रा ने जानकारी देते हुए बताया की गुरूनानकपुरा पुलिस चौकी की टीम रतिया चुंगी के पास गश्त पर तैनात थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि पंकज नामक युवक, जो हेरोइन बेचने का काम करता है, रतिया बाईपास पुल के नीचे ग्राहकों का इंतजार कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत छापेमारी की और पुल के नीचे खड़े संदिग्ध युवक को घेराबंदी कर काबू कर लिया। नियमानुसार तलाशी लेने पर 6.00 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) पाई गई। थाना शहर फतेहाबाद में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21बी, 61, 85 के तहत मुकदमा नंबर 164/2026 दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया । मामले में आरोपी से पुछताछ कर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी । मामले की जाँच जारी है।

पुलिस की चेतावनी:

फतेहाबाद पुलिस नशा तस्करों के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की है कि वे नशे के अवैध कारोबार की सूचना पुलिस को दें। आपकी पहचान गुप्त रखी जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

जिलाध्यक्ष हर्षिनी के नेतृत्व में जन आक्रोश महिला सम्मेलन में जयपुर पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं

अरुण मूंड । नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिला आरक्षण बिल का कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों द्वारा विरोध कर उसे पास करवाने में रोड़ा बनने तथा इनके द्वारा महिलाओं के अधिकारो पर कुठाराघात करने के विरोध में भाजपा प्रदेश नेतृत्व द्वारा जयपुर में आयोजित जन आक्रोश महिला सम्मेलन में झुंझुनू जिले से सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुलहरी के नेतृत्व में जयपुर पहुंचे और सम्मेलन में भाग लिया। जिले की प्रत्येक विधानसभा से बस एव निजी वाहनो से भाजपा कार्यकर्ता जयपुर गए । भाजपा प्रदेश कार्यालय में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा , उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी सहित प्रदेश पदाधिकारियों ने कांग्रेस व उनके अन्य सहयोगी दलों द्वारा महिलाओं के अधिकारो का विरोध करने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि कांग्रेस ने कभी भी महिलाओं को सम्मान नहीं दिया और वे नारी शक्ति को अपमानित व कमजोर करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं जिसे भाजपा और जनता कभी बर्दास्त नहीं करेगी । भाजपा प्रदेश कार्यालय से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में महिलाओ ने पैदल मार्च कर अहिंसा सर्किल पर विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर भाजपा नेता निशित बबलू चौधरी, जिला उपाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह शेखावत, महावीर ढाका, शहर मण्डल अध्यक्ष कमल कान्त शर्मा, युवा मोर्चा ज़िलाध्यक्ष जयसिंह माँठ, जिला प्रवक्ता हनुमान सिंह, महिला मोर्चा शहर मण्डल अध्यक्ष सावित्री सैनी, वर्षा चौधरी, अनीता सैनी, सुशीला झाझड़िया, विनोद कंवर, संतोष चौधरी, मनीषा सैनी, मंजू, मुन्नी, प्रमिला, रक्षा, चंदा, रितु सैनी, माया, विनीता, ऋतु , सुधा, कृष्णा, अनिल जोशी, जगदीश गोस्वामी, कृष्ण कुमार पुरोहित, श्याम सुंदर, नरेश चौधरी, श्रवण सिंह, विनोद जांगिड़, राकेश गुर्जर, प्रमोद कुमावत, महेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता महिला एव पुरुष उपस्थित रहे ।

डॉ. अंबेडकर वेलफेयर सोसायटी की जिला कार्यकारिणी का विस्तार, कई पदाधिकारियों की नियुक्ति

मंडावा मोड़ स्थित कार्यालय में हुई बैठक, सर्वसम्मति से नई टीम का गठन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

डॉ. मेमोरियल अंबेडकर वेलफेयर सोसायटी, जिला झुंझुनूं की कार्यकारिणी विस्तार को लेकर जिला कार्यालय, मंडावा मोड़ स्थित जेवरिया एडवोकेट एंड सॉलिसिटर्स कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष केदार खींची ने की। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष ईश्वर सिंह, महासचिव सीताराम सेवदा एडवोकेट, कोषाध्यक्ष शिवकुमार जेवरिया एडवोकेट सहित रमेश मेघवाल, चिरंजीलाल चावला एवं जितेंद्र कुमार खींची सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जसवंत संपतराम (सेवानिवृत्त आईपीएस) एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा (पूर्व डीजीपी, राजस्थान) की अनुशंसा पर जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई। घोषित कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर रमेश मेघवाल, सुभाष चंद्र बुंदेला (पार्षद), दारा सिंह (बीडीओ, बुहाना), रामनिवास (पूर्व सरपंच, नुनिया गोठड़ा), प्रताप सिंह महेश (झुंझुनूं) एवं धीरज कुमार बॉयल (एडवोकेट) को जिम्मेदारी सौंपी गई। संयुक्त सचिव पद पर महेंद्र लुनिवाल एडवोकेट, शंभू दयाल नेहरा, चिरंजी लाल चावला, विजय चावला, बाबूलाल चेतीवाल (पार्षद), सुनील कुमार (पूर्व सरपंच), राजेंद्र महरिया एवं धर्मेंद्र कुमार काला को नियुक्त किया गया।संगठन सचिव के रूप में सीताराम त्यागी, सुरेश मेघवाल, नरेश मरोडिया, उदय सिंह एडवोकेट, मुकेश बनेटीवाल, हरिराम खींची एवं सतीश गंगियासर को जिम्मेदारी दी गई।कार्यकारिणी सदस्य के रूप में राजकुमार खन्ना, रघुवीर समरिया, राजू मेघवाल, सत्य प्रकाश (सरपंच), कुलदीप नायक, राजवीर नट, जितेंद्र खींची, अशोक राठी, जयदयाल (पूर्व मैनेजर) एवं हरीश गोयल (झुंझुनूं) को शामिल किया गया। वहीं मीडिया प्रभारी के रूप में राकेश तातीजा एवं सतीश चावरिया को सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि नई कार्यकारिणी समाज के उत्थान, शिक्षा के प्रचार-प्रसार एवं सामाजिक जागरूकता के लिए सक्रिय भूमिका निभाएगी। अंत में सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया।

डीसी अनुपमा अंजलि ने अटेली अनाज मंडी का दौरा कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सरकार की हिदायतों अनुसार किसानों को मिले सभी सुविधाएं : डीसी अनुपमा अंजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज.अटेली।

उपायुक्त अनुपमा अंजलि (आईएएस) ने आज अटेली की अनाज मंडी का दौरा कर फसल खरीद कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंडी में मौजूद किसानों और आढ़तियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। उपायुक्त ने मंडी में किसानों के लिए दी जा रही सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने गेटपास के बारे में भी गहनता से जानकारी ली। मंडी अधिकारियों और संबंधित विभाग के कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि सरकार की हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है कि किसानों को उनकी फसल की अदायगी समय पर मिले। इसके साथ ही उन्होंने मंडी में फसल के उठान और अन्य बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने में कोई असुविधा न हो। डीएमईओ जगजीत कादियान, चेयरमैन दिनेश जेलदार, वाइस चेयरमैन राधेश्याम गोयल, डीएफएससी सावित्री देवी, डीएम हेफेड प्रवीण भारद्वाज व सचिव दीपक कौशिक के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

अब तक 13113 एमटी गेहूं व 15750 एमटी सरसों की आवक - उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने बताया कि जिले में अब तक कुल 13,113.27 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है, जिसमें से 12,841.39 मीट्रिक टन की खरीद सरकारी एजेंसियों द्वारा 2585 रुपए के एमएसपी पर की गई है। वहीं सरसों की बात करें तो 15,750.70 मीट्रिक टन की कुल आवक में से 15,695.10 मीट्रिक टन सरसों व्यापारियों द्वारा खरीदी गई है। उन्होंने बताया कि मंडियों में फसल के उठान (लिफ्टिंग) की प्रक्रिया भी निरंतर जारी है और अब तक कुल 7314.65 मीट्रिक टन गेहूं का उठान किया जा चुका है, जो कुल खरीद का लगभग 57 प्रतिशत है।

जन्मदिन पर प्रकृति प्रेम का अनोखा संदेश: पूर्वी यादव ने लगाएं पक्षियों के लिए परिंडे

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

सहड़ गांव में एक नन्हीं बच्ची ने अपने जन्मदिन को खास बनाने के साथ-साथ समाज को एक प्रेरणादायक संदेश भी दिया। हवलदार लालचंद की पौत्री पूर्वी यादव ने अपने जन्मदिन के अवसर पर पक्षियों के लिए परिंडे (जल पात्र) लगवाकर पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का उदाहरण पेश किया। पूर्वी यादव, जो कि 5वीं कक्षा की छात्रा है, ने इस खास दिन पर केक काटने और पार्टी करने के बजाय पक्षियों की प्यास बुझाने का संकल्प लिया। गर्मी के मौसम में जहां जल स्रोत सूखने लगते हैं, वहां इस तरह का प्रयास पक्षियों के लिए जीवनदायी साबित होता है। पूर्वी के इस सराहनीय कदम की गांवभर में प्रशंसा हो रही है। पूर्वी के पिता रविन्द्र यादव, जो नर्सिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं, पिता ने बताया कि बच्चों में बचपन से ही प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना बेहद जरूरी है। इसी सोच के साथ परिवार में हर खास अवसर को समाजहित से जोड़ने की परंपरा बनाई गई है।

गौरतलब है कि इससे पहले पूर्वी की छोटी बहन भव्या के जन्मदिन पर भी परिवार ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया था। इस पहल के तहत कई पौधे लगाए गए थे, जो अब बढ़कर हरियाली का रूप ले रहे हैं। इस अवसर पर भवरसिंह, ईश्वर सिंह, जयदेव सहित परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे और सभी ने इस अनोखे प्रयास की सराहना की। ग्रामीणों ने भी कहा कि ऐसे छोटे-छोटे कदम समाज में बड़ा बदलाव ला सकते हैं और आने वाली पीढ़ी को सही दिशा दिखा सकते हैं। पूर्वी यादव का यह कदम न केवल जन्मदिन मनाने का एक अलग अंदाज है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि खुशी के मौके पर यदि हम प्रकृति और समाज के लिए कुछ करें, तो उसका प्रभाव कहीं अधिक व्यापक और सकारात्मक होता है।

भारतीय शिक्षण मंडल का 57वां स्थापना दिवस मनाया, 'स्वत्व पंचांग' का हुआ विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज.सीकर।

भारतीय शिक्षण मंडल, जयपुर प्रांत (सीकर इकाई) द्वारा 57वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को श्री कल्याण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सीकर में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 'स्वबोध - औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति का मार्ग' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित हुई। कार्यक्रम का प्रारंभ डॉ. मुकेश शर्मा द्वारा प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए किया गया, जिसमें उन्होंने 'स्वबोध' की अवधारणा, औपनिवेशिक मानसिकता के प्रभाव तथा भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम की प्रमुख विशेषता भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित नवाचार 'स्वत्व पंचांग' (कैलेंडर) का औपचारिक विमोचन रहा। यह पंचांग भारतीय समय-गणना, सूर्य सिद्धांत, ऋतु-चक्र एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ समन्वित करने का एक अभिनव प्रयास है। मुख्य अतिथि दंडी स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती ने अपने उद्बोधन में भारतीय ज्ञान परंपरा के पुनर्जागरण पर बल देते हुए कहा कि 'स्वबोध के माध्यम से ही राष्ट्र अपनी वास्तविक पहचान और शक्ति को पुनः प्राप्त कर सकता है।' उन्होंने अपने वक्तव्य में नदी विज्ञान (रद्ब1द्गह्म स्द्बद्गठ्ठष्द्ग) के महत्व पर प्रकाश डालते हुए भारतीय परंपराओं में नदियों के वैज्ञानिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आयामों को रेखांकित किया। साथ ही, उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर विस्तृत विचार रखते हुए प्रकृति के साथ संतुलित जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।मुख्य वक्ता आदरणीय हनुमानक्षसिंह जी ने अपने संबोधन में कहा कि आज आवश्यकता केवल तकनीकी प्रगति की नहीं, बल्कि विचारों की स्वतंत्रता, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और वैचारिक स्वराज की है। उन्होंने युवाओं से भारतीय ज्ञान परंपरा को समझने और उसे व्यवहार में उतारने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि आशीष मोदी, जिला कलेक्टर, सीकर ने भारत के आर्थिक एवं बौद्धिक सामर्थ्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश वैश्विक स्तर पर तेजी से उभर रहा है, किन्तु हमारी वास्तविक शक्ति हमारे नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक विरासत में निहित है। उन्होंने युवाओं से भारतीय ज्ञान परंपरा, विशेषकर संस्कृत भाषा के महत्व को समझने और अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर विशाल कुमार(सह प्रांत प्रचारक, जयपुर प्रांत), चेतन्य प्रकाश (विभाग प्रचारक, सीकर) तथा डा. ग्यारसी लाल जी (माननीय विभाग संघ चालक) सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम में शिक्षाविदों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं समाज में स्वबोध, आत्मगौरव तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करना रहा। इस नवाचार की परिकल्पना एवं विकास कार्य प्रांत युवा गतिविधि प्रमुख, भारतीय शिक्षण मंडल, जयपुर प्रांत के डॉ. मुकेश शर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुआ है। इसमें पंडित प्रदीप शास्त्री, डॉ. मोनिका शर्मा, डॉ. बीनू शेखावत, डॉ. आशा राणा, डॉ. राजेन्द्र चुण्डावत, वीणा सैनी की सहभागिता रही। समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महासचिव दंडी स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती होंगे। वहीं मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य हनुमानसिंह होंगे। समारोह में जिला कलक्टर आशीष मोदी, विभाग संघ चालक ग्यारसी लाल जाट भी मौजूद रहेंगे। इस कार्यक्रम में पर्यावरण शुद्धता का विशेष रुप से ध्यान रखा गया तथा रसायन मुक्त रंगोली का चित्रण किया गया.

पुलिस लाइन फतेहाबाद में योग शिविर आयोजित, स्वस्थ एवं तनावमुक्त जीवन का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस लाइन फतेहाबाद में आज पतंजलि योग समिति फतेहाबाद के सहयोग से एक विशेष योग शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपपुलिस अधीक्षक नरसिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखते हुए उन्हें तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। योग शिविर के दौरान पतंजलि योग समिति के योगाचार्य सुरेंद्र कुमार एवं योगाचार्य बजरंग लाल जी ने पुलिस कर्मियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास करवाया। सत्र की शुरुआत सूक्ष्म व्यायाम से की गई, जिसके पश्चात अनुलोम-विलोम, कपालभाति, भस्त्रिका जैसे प्राणायाम तथा ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन सहित कई आसनों का अभ्यास कराया गया। योगाचार्यों ने विस्तार से बताया कि नियमित योगाभ्यास से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, मानसिक तनाव कम होता है तथा कार्यक्षमता में सकारात्मक वृद्धि होती है। मुख्य अतिथि उपपुलिस अधीक्षक नरसिंह ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस का कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण एवं तनावपूर्ण होता है, ऐसे में योग जैसी प्राचीन भारतीय पद्धति पुलिस कर्मियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस कर्मचारी नियमित रूप से योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें, तो वे न केवल शारीरिक रूप से फिट रहेंगे, बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनेंगे, जिससे उनके कार्य निष्पादन में भी सुधार आएगा। योगाचार्य सुरेंद्र कुमार ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि एक संपूर्ण जीवनशैली है, जो शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को बनाए रखती है। वहीं योगाचार्य बजरंग लाल जी ने उपस्थित पुलिस कर्मियों को प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट योग करने का संदेश देते हुए कहा कि इससे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और व्यक्ति स्वस्थ एवं प्रसन्नचित्त रहता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने योग के महत्व को समझते हुए इसे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लिया। उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों को समय-समय पर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि पुलिस बल सदैव फिट, सतर्क एवं सक्षम बना रहे। कार्यक्रम के अंत में पतंजलि योग समिति के योगाचार्यों का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के जनहित एवं स्वास्थ्यवर्धक कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

नागरिकों के लिए हरियाणा सरकार की नई पहल : अब राजस्व संबंधी शिकायतों का 48 घंटे में होगा स्थायी समाधान

सिटीजन हेल्पडेस्क पोर्टल लॉन्च, 5 दिन के भीतर टोकन मंजूर नहीं होता है तो हेल्पडेस्क पर कर सकते हैं शिकायत

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा सरकार ने राजस्व विभाग से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए सिटीजन हेल्पडेस्क की शुरुआत की है। इस नई व्यवस्था के तहत अब जनता की राजस्व संबंधी शिकायतों का समाधान महज 48 घंटे के भीतर अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने बताया कि सरकार का मुख्य उद्देश्य प्रशासनिक कामकाज में और अधिक पारदर्शिता लाना तथा आमजन को कार्यालयों के चक्कर काटने से मुक्ति दिलाना है।

इस नई सुविधा के माध्यम से नागरिक टोकन अनुमोदन में होने वाली देरी ऑनलाइन सिस्टम की तकनीकी खामियां पेपरलेस पंजीकरण में आने वाली समस्याएं भ्रष्टाचार उत्पीड़न और संपत्ति पंजीकरण से जुड़ी किसी भी प्रकार की अनियमितता के खिलाफ सीधे अपनी आवाज उठा सकेंगे। उन्होंने बताया कि नागरिक दूरभाष संख्या 0172-2711693 पर कॉल करके या ईमेल आईडी द्धद्गथ्र्श्चस्रद्गह्यद्म-ह्द्ग1@द्धद्ध4.द्ग1.द्धद्ध पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। डीसी ने बताया कि यह सेवा सभी कार्य दिवसों में सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक उपलब्ध रहेगी। प्रशासनिक पारदर्शिता को और सुदृढ़ करने के लिए एक केंद्रीकृत मॉनिटरिंग डैशबोर्ड भी तैयार किया गया है जिसकी सीधी निगरानी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि शिकायत दर्ज होते ही नागरिक को एक यूनिक शिकायत नंबर प्रदान किया जाएगा जिससे वे अपनी शिकायत की स्थिति को रियल-टाइम ट्रैक कर सकेंगे। नई नियमावली के अनुसार यदि किसी नागरिक का टोकन 5 दिन के भीतर मंजूर नहीं होता है तो वह हेल्पडेस्क पर इसकी शिकायत कर सकता है। इसके साथ ही टोकन मिलने के बाद 10 दिनों के भीतर अपॉइंटमेंट लेना अनिवार्य होगा अन्यथा वह रद्द माना जाएगा। अपॉइंटमेंट मिलने के 20 दिनों के अंदर पंजीकरण की प्रक्रिया को पूरा करना भी अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पेपरलेस पंजीकरण के संबंध में शिकायत करते समय नागरिकों को अपना टोकन नंबर देना जरूरी होगा।

फतेहाबाद पुलिस थाना सदर की कार्यवाही: गाँव काजलहेडी में सघन तलाशी अभियान चलाया गया

डॉग स्क्वॉड, कमांडो टीम व स्थानीय पुलिस ने मिलकर की व्यापक चेकिंग

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । थाना सदर फतेहाबाद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा विशेष सघन तलाशी अभियान चलाया गया। यह अभियान बडोपल चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रामफल के कुशल नेतृत्व में डॉग स्क्वॉड टीम, कमांडो टीम तथा स्थानीय पुलिस के संयुक्त सहयोग से संचालित किया गया। चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रामफल ने बताया कि अभियान के दौरान गाँव काजलहेडी के संवेदनशील स्थानों व सार्वजनिक स्थानों पर विशेष नजर रखते हुए गहन चेकिंग की गई। डॉग स्क्वॉड टीम की सहायता से संदिग्ध वस्तुओं एवं स्थानों की बारीकी से तलाशी ली गई, जबकि कमांडो टीम द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की गई। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई तथा दोपहिया और चारपहिया वाहनों की भी सघन जांच की गई। पुलिस टीम द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई भी अमल में लाई गई। इसके साथ ही आमजन से संवाद स्थापित कर उन्हें जागरूक किया गया कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति के बारे में तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। पुलिस का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना, आमजन में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना तथा असामाजिक तत्वों में भय उत्पन्न करना है। पुलिस द्वारा यह अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रखा जाएगा।

एडवोकेट सुवीर सिधु के बार काउंसिल ऑफ पंजाब व हरियाणा के चुनावों में रिकॉर्ड मतों से जीत पर एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा ने बांटे लड्डू,

नरवाना से एडवोकेट गजे सिंह सरोहा सुरजेवाला खेड़ा ने भी बधाई संदेश भेजा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना बार एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य एडवोकेट संजय वर्मा व एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा ने बार काउंसिल ऑफ पंजाब व हरियाणा के चुनाव 2026 में रिकॉर्ड मतों से विजयी होने पर टोहाना बार एसोसिएशन, मिनी सचिवालय कोर्ट स्टाफ में लड्डू बांटे और जीत के लिए सभी एडवोकेट मेम्बर्स साहिबान का धन्यवाद किया। विदीत रहें सुवीर सिधु लगातार दूसरी बार काउंसिल ऑफ पंजाब व हरियाणा के सदस्य मनोनीत हुए हैं तथा उनके पिता डॉ अनमोल रत्न सिधु भी बार काउंसिल ऑफ पंजाब व हरियाणा के चैयरमेन भी रहे हैं व वरिष्ठ एडवोकेट जनरल पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ़ भी रहे हैं। सुवीर सिधु ने भी फ़ोन पर अपने संदेश में अपनी सफलता के लिए बार एसोसिएशन टोहाना के सभी अधिवक्ताओं का धन्यवाद किया तथा बधाई भी दी। सुवीर सिधु ने अपने संदेश में कहा कि मेरी जीत सभी अधिवक्ताओं की जीत है और मैं हमेशा अधिवक्ताओं के हितों व अधिकारो के लिए प्रयासरत रहूंगा। टोहाना से बार एसोसिएशन के कई सदस्यों ने भी बार काउंसिल ऑफ पंजाब व हरियाणा चंडीगढ़ के नवनिर्वाचित व सबसे अधिक मत पाने वाले एडवोकेट सुवीर की जीत पर खुशी जताई। नरवाना से एडवोकेट गजे सिंह सरोहा सुरजेवाला खेड़ा ने भी बधाई संदेश भेजा।

राजस्थान- हीटवेव की चेतावनी, सड़कें सुनसान , सामान्य से जयादा गर्मी

जयपुर

राजस्थान में तेज गर्मी के कारण सोमवार को 12 शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर दर्ज हुआ। बाड़मेर, जैसलमेर से ज्यादा गर्मी कोटा में रही, जहां अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा। जयपुर, फलोदी में दिन के साथ रात में भी तेज गर्मी है। यहां न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हो रहा है। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने राज्य में अगले कुछ दिन मौसम साफ रहने और हीटवेव चलने का यलो अलर्ट जारी किया है। तेज गर्मी के कारण उदयपुर और अजमेर में टूरिस्टों की संख्या कम हो गई है। कोटा के हॉस्पिटल्स में हीटवेव के मरीजों के लिए बेड रिजर्व किए गए हैं।

साइबर जागरूकता अभियान : गाँव धारणिया में बच्चों को साइबर सुरक्षा व नशा मुक्ति का दिया संदेश

थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद की पहल, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग की दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान के तहत थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद की टीम ने गाँव धारणिया में स्कूली बच्चों के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे और उनसे बचाव के प्रभावी तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने बच्चों को समझाया कि आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया का सही और सुरक्षित उपयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अनजान कॉल, फर्जी लिंक, ऑनलाइन गेमिंग के दौरान होने वाली ठगी, ओटीपी शेयर करना और अज्ञात व्यक्तियों से ऑनलाइन संपर्क करना साइबर अपराधों के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने बच्चों को सतर्क रहते हुए अपनी व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर देने के लिए प्रेरित कि इसके साथ ही कार्यक्रम में नशा मुक्ति को लेकर भी जागरूकता फैलाई गई। बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताते हुए उन्हें स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित कर उनके सवालों के जवाब दिए और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ भी उपस्थित रहा और उन्होंने पुलिस द्वारा चलाए जा रहे इस जागरूकता अभियान की सराहना की। जिला पुलिस ने आमजन, विशेषकर युवाओं से अपील की है कि वे साइबर अपराधों से सतर्क रहें और किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित माध्यमों से दें। साथ ही ऐसे जागरूकता कार्यक्रम भविष्य में भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि समाज को सुरक्षित और जागरूक बनाया जा सके।

नोबल प्रतिभा सम्मान यात्रा मेघपुर-पांथरोली व भालोठ पहुंची, चौपालों पर गूंजा शिक्षा का संदेश

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, संदीप नेहरा बोले– 'शिक्षा में निवेश ही भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी '

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के जन-जागरण के उद्देश्य से संचालित नोबल प्रतिभा सम्मान यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को नोबल एजुकेशन ग्रुप के निदेशक इंजीनियर संदीप नेहरा के नेतृत्व में यात्रा का रथ मेघपुर-पांथरोली गांव की चौपाल में पहुंचा। यहां प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान किया गया तथा ग्रामीणों और अभिभावकों ने नोबल परिवार का गर्मजोशी से स्वागत किया।

चौपाल पर आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा, संस्कार और समृद्ध विचारों पर सार्थक चर्चा हुई। इस दौरान इंजीनियर संदीप नेहरा ने कहा कि जिस प्रकार हम घर निर्माण, विवाह जैसे कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखते हैं, उसी प्रकार बच्चों की शिक्षा के लिए भी उत्कृष्ट संस्थान, योग्य प्रबंधन और अनुभवी शिक्षकों का चयन करना आवश्यक है। उन्होंने प्रेरणादायक शब्दों में कहा कि 'भले ही घर में संसाधनों की कमी हो, लेकिन बच्चों के हाथों में किताब जरूर होनी चाहिए। शिक्षा पर किया गया निवेश कई गुना फल देता है और पूरे समाज की दिशा बदल सकता है।'

संध्या बेला में यात्रा भालोठ गांव के बस स्टैंड पहुंची, जहां भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में आसपास के एक दर्जन से अधिक गांवों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यात्रा के प्रभारी संजीव लाम्बा, हनुमान प्रसाद, सोनू चौधरी एवं सतीश लांबा के मार्गदर्शन में काकड़ा के पूर्व सरपंच गोखन सिंह तथा सोहली के पूर्व सरपंच ओमप्रकाश बोहरा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया।कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कुशलपुरा के प्रशांत कुमार पुत्र राकेश कुमार को 98.50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर स्कूटी देकर सम्मानित किया गया। वहीं चुडीना गांव की अनु (पुत्री राजमोहन) को 95.20 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर साइकिल प्रदान की गई। काकड़ा के धर्मेश (पुत्र प्रताप सिंह) को 95.67 प्रतिशत तथा प्राना गांव की अनु कुमारी (पुत्री बलवीर) को 93.83 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर साइकिल देकर सम्मानित किया गया।इसके अलावा चुडीना गांव की मोनिका (पुत्री जसवंत सिंह), मुस्कान (पुत्री अनिल कुमार) तथा भोदन गांव के अंकित कुमार (पुत्र महेंद्र सिंह) सहित 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 'नोबल वॉच' भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक विक्रम सिंह यादव सहड़ ने किया। इस अवसर पर संस्थान की संरक्षक संतोष नेहरा, नोबल साइंस एकेडमी पचेरी के निदेशक मानसिंह चौधरी, एकेडमिक डायरेक्टर सुमन नेहरा, मैनेजिंग डायरेक्टर शिवम नेहरा सहित कई शिक्षाविद मंचासीन रहे। मुख्य वक्ता एडवोकेट हरेश पंवार ने शिक्षा जागृति अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल ग्रामीण प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और उन्हें श्रेष्ठ नागरिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष, अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। नोबल प्रतिभा सम्मान यात्रा के माध्यम से शिक्षा के प्रति जागरूकता का यह अभियान क्षेत्र में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार कर रहा है।

घरेलू मैदान पर आज दिल्ली कैपिटल्स से खेलेगी सनराइजर्स हैदराबाद

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला करेगी। इस मैच में सनराइजर्स का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि उसका अब तक का प्रदर्शन दिल्ली से बेहतर रहा है। अंक तालिका में दोनो ही टीमों के 6-6 अंक हैं पर बेहतर रन औसत के कारण सनराइज चौथे जबकि दिल्ली पांचवे स्थान पर है। ईशान किशन की कप्तानी में अबतक सनराइजर्स का प्रदर्शन बेहतर होता गया है। उसकी गेंदबाजी भी युवाओं को शामिल करने के बाद से ही मजबूत हुई हैं। उसके युवा गेंदबाजों प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन ने अच्छी गेंदबाजी कर विरोधी टीमों पर दबाव बनाया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के बाद से ही टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। हिंगे के अलावा युवा गेंदबाज ईशान मलिंगा ने भी काफी अच्छी गेंदबाजी की है। जहां तक बल्लेबाजी की बात है उसके पास ईशान के अलावा हेनरिक क्लासेन , ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। उसका कमजोर पक्ष मध्यक्रम के बल्लेबाजों की विफलता है। जिस पर दिल्ली कैपिटल्स हमला करने का प्रयास करेगी। अक्षर पटेल की कप्तानी में उतर रही

दिल्ली कैपिटल्स की टीम अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बना पाई है। अब तक केएल राहुल, पथुम निसांका और ट्रिस्टन स्टब्स जैसे बल्लेबाजों ने ही रन बनाए हैं पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं। युवा समीर रिजवी पिछले तीन मैच से रन नहीं बना पा रहे हैं जिससे उसकी परेशानी बढ़ गयी है। दिल्ली की गेंदबाजी हालांकि अच्छी है। उसके पास

तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी के अलावा स्पिनर कुलदीप यादव हैं। कप्तान अक्षर पटेल ने भी अच्छी गेंदबाजी की है इसके अलवा युवा गेंदबाजों मुकेश कुमार व टी नटराजन का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है।

अब तक दोनो टीमों के बीच हुए 26 मुकाबलों में से सनराइजर्स ने 13 जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने 12 मैच जीते हैं। ऐसे में इस बार भी इनके बीच कड़े मुकाबले की उम्मीदें हैं।

टीम इस प्रकार है

सनराइजर्स हैदराबाद = ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी

दिल्ली कैपिटल्स = अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब डार, नीतीश राणा, मिचेल स्टार्क, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव

ऑरेंज कैप के लिए वैभव, पर्पल कैप की रेस में कंबोज शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी 46 रनों की पारी के साथ ही सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल हो गये हैं। वैभव ने इस मैच में 28 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के लगाये। इस दौरान इस बल्लेबाज का स्ट्राइक रेट 164.29 का था।

वैभव ने अब तक इस आईपीएल सत्र के 6 मैचों में 246 रन बनाये हैं, उन्होंने यह रन 41 की औसत और 236.54 के स्ट्राइक रेट से बनाये हैं। इस प्रकार वह सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं पहले नंबर पर 283 रनों के साथ ही सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन हैं जबकि दूसरे पर गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल 251 और तीसरे पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली 247 रन हैं। वहीं वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ ही चौथे और रजत पाटीदार 230 रनों के साथ ही पांचवे स्थान पर हैं।

वहीं सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज बेहतरीन प्रदर्शन कर पहले नंबर पर हैं उनके 6 मैचों में 13 विकेट हैं और वह पर्पल कैप की दौड़ में नंबर एक पर हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव ने 6 मैचों में 11 विकेट लेकर दूसरा स्थान हासिल किया है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2/20 और 8.59 का इकॉनमी रेट रहा है।

तीसरे नंबर पर गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा हैं। प्रसिद्ध कृष्णा ने 5 मैचों में 11 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/28 रहा है और उनका 9.20 का इकॉनमी रेट रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार ने 6 मैचों में 10 विकेट लिए हैं। उनका इकॉनमी रेट 8.33 है, जो शीर्ष 5 में सबसे अच्छा है।

राजस्थान रॉयल्स के रवि बिश्नोई पांचवे नंबर पर हैं। बिश्नोई ने 6 मैचों में 10 विकेट लिए हैं और उनका इकॉनमी रेट 9.50 है।

तीनों ही प्रारुप में हैट्रिक लगाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं अभिमन्यु मिथुन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अभिमन्यु मिथुन के नाम एक ऐसा रिकार्ड है। जो किसी अन्य के नाम पर नहीं हैं। अभिमन्यु ने अपने करियर में भारतीय टीम के ओर से केवल 9 मैच खेले हैं पर घरेलू क्रिकेटर में इस क्रिकेटर का करियर लंबा चला है। अभिमन्यु भारत के ऐसे पहले क्रिकेटर हैं, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में हैट्रिक लगायी है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के खिलाफ हैट्रिक ली. विजय हजारे ट्रॉफी में तमिलनाडु और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा के खिलाफ हैट्रिक लगायी। ये ऐसा रिकार्ड है जो किसी के भी नाम नहीं है। इस क्रिकेटर को तेज गेंदबाजी और अच्छी लाइन-लेंथ के लिए जाना जाता था। 2010 में श्रीलंका के खिलाफ गाले में उन्होंने अपने पहले ही टेस्ट की पहली पारी में 4 विकेट लिए थे। वहीं इसी साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में एकदिवसीय डेब्यू किया था। मिथुन ने भारत के लिए कुल 4 टेस्ट और 5 एकदिवसीय मैच खेलते हुए कुल 12 विकेट लिए हैं। मिथुन एक गेंदबाज के अलावा निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाजी भी कर लेते थे। टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत 24.00 का रहा. उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट जून 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ और आखिरी एकदिवसीय दिसंबर 2011 में वेस्टइंडीज के ही खिलाफ खेला था।

इस क्रिकेटर ने 2021 में भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। भले ही इस क्रिकेटर को भारतीय टीम में अधिक अवसर नहीं मिले, लेकिन कर्नाटक के लिए 300 से ज्यादा फर्स्ट क्लास विकेट और घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में हैट्रिक की उपलब्धि इस खिलाड़ी के नाम है। इसके अलावा टी20 के अंतिम ओवर में इस क्रिकेटर के नाम एक ओवर में 5 विकेट लेने का रिकार्ड भी है। अभिमन्यु ने साल 2019 में घरेलू क्रिकेट में ये रिकार्ड बनाया। तब कर्नाटक की ओर से खेलते हुए उन्होंने हरियाणा के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पारी के आखिरी ओवर में पांच विकेट लिए थे। ओवर की पहली चार गेंदों पर उन्होंने लगातार 4 विकेट लिए और आखिरी गेंद में 5वां विकेट लिया।

पंजाब किंग लगातार छह मैचों में अजेय रहने वाली पहली टीम बनी, मैच में कई रिकार्ड भी बने

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रियांश आर्या और कूपर कॉनॉली की शानदार बल्लेबाजी से पंजाब किंग्स ने यहां खेले गये आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा दिया। इस जीत के साथ ही पंजाब की टीम ने एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। पंजाब की टीम आईपीएल में लगातार छह मैच में अजेय रहने वाली पहली टीम बन गयी है। वह लीग की शुरुआत से ही अब तक एक भी मैच नहीं हारी है। इस मैच में पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 254 रन बनाये जिसके बाद लक्ष का पीछा करते हुए सुपर जायंट्स की टीम 200 रन ही बना पायी।

प्रियांश और कूपर की शानदार बल्लेबाजी से पंजाब ने 7 विकेट के नुकसान पर 254 रन बनाये। ये इस सत्र में किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपर जायंट्स की टीम की बल्लेबाजी ढ़ह गयी। इस मैंच में पंजाब ने शुरुआत में ही सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन का विकेट खो दिया पर इसके बाद भी प्रियांश और कॉनॉली ने दूसरे विकेट के लिए 182 रन की बड़ी साझेदारी कर अपनी टीम को संभाला।

आर्य ने 37 गेंदों में 93 रन बनाये जबकि कॉनॉली ने 46 गेंद में 87 रन बनाए। इस मैच में कई रिकार्ड भी बने। पंजाब किंग्स की टीम किसी भी सत्र में शुरुआती 6 मैच में अपराजेय रहने वाली पहली टीम बन गई है। टीम ने 5 मैच जीते है जबकि एक मुकाबला बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया।

वह इस सत्र में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाली टीम बन गई है। आरसीबी ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में सबसे अधिक 250 रन बनाये थे।.

पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेले गए मैच में 454 रन बने. जिसमें दोनों टीम की तरफ से कुल मिलाकर 32 छक्के लगाये गए। ये इस सत्र में किसी एक मैच में सबसे ज्यादा छक्के का रिकॉर्ड है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराउंडर एडन मार्करम के एक ही ओवर में 32 बने। ये आईपीएल का अब तक का सबसे महंगा ओवर रहा। प्रियांश और कॉनॉली ने दूसरे विकेट के लिए 182 रन बनाये। ये इस सत्र में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

चोटिल जैक ड्रेपर मैड्रिड और इटैलियन ओपन में नहीं खेलेंगे

लंदन । जैक ड्रेपर ने इस हफ्ते होने वाले मैड्रिड ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है और घुटने की नस में चोट लगने के कारण वह अगले महीने होने वाले इटैलियन ओपन में भी नहीं खेल पाएंगे । 24 साल के ड्रेपर ने मोंटे कार्लो मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लिया था और इसी समस्या के चलते बार्सिलोना में इस सीजन के अपने एकमात्र क्ले कोर्ट मैच से उन्हें बीच में ही हटना पड़ा था । यह टूर्नामेंट हड्डी में चोट (बोन ब्रूसिंग) से उबरने के बाद उनकी वापसी का सिर्फ चौथा टूर्नामेंट था ; इस चोट की वजह से यूएस ओपन के एक मैच को छोड़कर वह विंबलडन के बाद से ही टूर से बाहर थे । ड्रेपर ने कहा, 'मेरे घुटने की नस में चोट बढ़ जाने के कारण मैं मैड्रिड और रोम में नहीं खेल पाऊंगा ।' उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से निराशाजनक है, लेकिन मैं शुक्रगुज़ार हूं कि यह कोई बहुत गंभीर चोट नहीं है । मेरी रिकवरी अच्छी चल रही है और मुझे पूरा भरोसा है कि मैं रोलैंड गैरोस के लिए पूरी तरह फ़िट हो जाऊंगा । मैं वहां से अपनी लय बनाने का इंतजार कर रहा हूं ।'

शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर को बाहर करे मुम्बई इंडियंस : श्रीकांत

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने आईपीएल में खराब प्रदर्शन कर रहे मुम्बई इंडियंस के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर को आड़े हाथों लिया है । श्रीकांत ने कहा है कि इन दोनो को ही घर वापस भेज देना चाहिये क्योंकि ये दोनो ही अंतिम ग्यारह में रखे जाने के योग्य नहीं दिखते । श्रीकांत ने मुंबई इंडियंस के प्रबंधन से कहा है कि इन दोनो को आगे के मैचों में शामिल न करे । श्रीकांत ने कहा, मुझे नहीं पता कि मुंबई इंडियंस कैसे दीपक चाहर को अंतिम ग्यारह में शामिल किये हुए है । पहले ही ओवर में चाहर ने 21 रन दिए और फिर 22 रन दिए थे । 2.3 ओवर में 45 रन । वहीं शार्दुल ने 3 ओवर में 42 रन दिए । उन्होंने एक साथ 5.3 ओवर किए और 87 रन खर्च किए । उन्होंने साथ ही कहा, इस प्रकार के गेंदबाजों के साथ किया प्रकार से जीता जा सकता है । श्रीकांत इन दोनो से इतने नाराज दिखे की उन्होंने कहा कि इन्हें पैसे देकर आराम से घर बैठने को कहो । जब जरुरत होगी इन्हें बुला लिया जाएगा । । वहीं टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है पर टीम के कोच महेला जयवर्धने ने उनका बचाव किया है ।

भारत में फीफा विश्वकप मैचों के प्रसारण को लेकर संशय बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 का इंतजार पूरे विश्व के साथ-साथ भारत में भी फुटबॉल प्रशंसक कर रहे हैं हालांकि इसके देश में प्रसारण को लेकर संशय छाया हुआ है। इसका कारण ये है कि अभी तक किसी भी भारतीय टेलीविजन या डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इस मेगा इवेंट के मीडिया अधिकार नहीं खरीदे हैं, जिससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या भारतीय दर्शक इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट को देख पाएंगे या नहीं।

विश्व कप संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। 11 जून, 2026 से इसकी शुरुआत होगी और यह पहली बार होगा जब 48 टीमें इसमें हिस्सा लेंगी, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी रोमांचक होने की उम्मीद है। भारत की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम भले ही इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई हो, लेकिन देश में फुटबॉल के प्रति जुनून किसी से छिपा नहीं है। लाखों भारतीय प्रशंसक हर चार साल में होने वाले इस आयोजन का बेसब्री से इंतजार करते हैं, अपनी पसंदीदा टीमों और खिलाड़ियों को खेलते देखने के लिए उत्सुक रहते हैं। पिछले विश्व कपों में भी भारत में रिकॉर्ड तोड़ दर्शक संख्या दर्ज की गई थी, जो यहां के फुटबॉल प्रेम की गहराई को दर्शाता है।

लेकिन, इस बार स्थिति काफी अलग और चिंताजनक है। फीफा ने 2025 में ही विश्व कप के मीडिया अधिकारों की बिक्री प्रक्रिया शुरू कर दी थी, ताकि प्रसारणकर्ता को पर्याप्त समय मिल सके। विभिन्न देशों में अधिकार बेचे जा चुके हैं, लेकिन भारत में अभी तक कोई भी आधिकारिक प्रासरणकर्ता सामने नहीं आया है।

प्रसारण अधिकारों की बिक्री में यह गतिरोध मुख्य रूप से वित्तीय पहलुओं से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। फीफा ने शुरुआत में 2026 और 2030 दोनों विश्व कप के संयुक्त मीडिया अधिकारों की कीमत 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 830 करोड़ रुपये) आंकी थी, जो कि भारतीय बाजार के लिए एक बहुत बड़ी राशि मानी जा रही थी। इस भारी कीमत के कारण कोई भी संभावित खरीददार आगे नहीं आया। खरीदार न मिलने के बाद, फीफा ने कीमत में भारी कटौती करते हुए इसे 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 290 करोड़ रुपये) कर दिया। इतनी बड़ी कमी के बावजूद, अभी तक कोई भी भारतीय टेलीविजन चैनल या डिजिटल प्लेटफॉर्म इन अधिकारों को खरीदने के लिए तैयार नहीं हुआ है। यह स्पष्ट नहीं है कि ब्रॉडकास्टर्स अभी भी इस कीमत को बहुत अधिक मान रहे हैं या फिर उन्हें इसमें अपेक्षित व्यावसायिक लाभ नहीं दिख रहा है।

यह स्थिति भारत के करोड़ों फुटबॉल प्रशंसकों के लिए एक बड़ा झटका है, जो विश्व कप के रोमांचक मुकाबलों को अपने घरों में बैठकर देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अगर जल्द ही कोई समाधान नहीं निकलता है, तो संभव है कि भारतीय दर्शकों को फीफा विश्व कप 2026 के मैचों से वंचित रहना पड़े, जो सबसे निराशाजनक होगा। ऐसे में मैचो के प्रसारण के लिए फीफा और भारतीय प्रसारणकर्ताओं के बीच शीघ्र ही किसी समझौते की जरुर है।

हरभजन ने नेहरा को एक शानदार कोच बताया

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा की जमकर प्रशंसा की है । हरभजन के अनुसार नेहरा बेहद जुनूनी और उत्साही कोच हैं जो टीम को एकजुट बनाये रखते हैं । हरभजन के अनुसार जिस प्रकार नेहरा खिलाड़ियों से लगातार बात करते हैं और उनकी परेशानी दूर करते हैं उसी का कारण है कि टीम भी बेहतर प्रदर्शन कर रही है । उन्होंने कहा कि नेहरा का स्वभाव व तरीका ऐसा है कि वह कहीं भी और किसी भी प्रकार के हालातों में माहौल को सहज बना सकते हैं । वह जहां भी जाते हैं, अपने आसपास सभी लोगों को सरल स्वभाव से सहज बना देते हैं । वह किसी फुटबॉल कोच की तरह नजर आते हैं जो लगातार दौड़ता रहता है । उनकी खेल की समझ काफी अच्छी है जो उन्हें एक बेहतरीन कोच बनाती है । जिस प्रकार उन्होंने गुजरात टाइटंस को तैयार किया है वह तारीफ के काबिल बात है । वहीं पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा है कि आईपीएल से पहले कार्तिक त्यागी और अशोक शर्मा ने जो कड़ी मेहनत की थी उसी का फल अब इन दोनो को मिल रहा है जिससे ये काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं । विशेषकर कार्तिक ने जिस प्रकार से चोट से उबरकर वापसी की है उसकी जितनी प्रशंस की जाये वह कम है ।

ऋषभ ने बताया, बडोनी के पारी शुरु करने का कारण

न्यू चंडीगढ़ । लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत आईपीए में पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार से निराश हैं । इस मैच में ऋषभ के कुछ फैसलों को लेकर भी सवाल उठे हैं । इस टूर्नामेंट की शुरुआत में ऋषभ पारी की शुरुआत के लिए आये थे पर इस मैच में उन्होंने आयुष बडोनी को पारी शुरु करने के लिए भेजा था । आयुष ने मिचेल मार्श के साथ पारी शुरु की । बडोनी ने 21 गेंदों पर 35 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत दी । ऋषभ ने अब बदोनी से पारी शुरु कराने का कारण बताया है । ऋषभ कहा, हमने मैदान पर जाकर खुलकर खेलने का फैसला लिया था । यह पहले से तय था कि बडोनी पारी शुरु करेंगे पर ये बात हमने सार्वजनिक नहीं की थी । हम शीर्ष ऑर्डर में थोड़ी आजादी चाहते थे और मैं मध्य क्रम में सहायता करना चाहता था ।

आलोचकों के निशाने पर आये पाकिस्तान के रिजवान

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद रिजवान पिछले कुद समय से अपने खराब प्रदर्शन के कारण आलोचकों के निशाने पर हैं । इसी कारण वह टीम में भी वापसी नहीं कर पा रहे हैं । यहां तक कि पाक सुपरलीग पीएसएल में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा जिससे उनकी टीम लीग से बहार हो गयी है । टीम के प्लेऑफ से बाहर होने के बाद रिजवान ने भी स्वीकार किया है कि उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है । इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने हालांकि माना है कि अभी उन्हें टी20 टीम में जगह नहीं मिल सकती पर वह इसके बाद भी हार न मानते हुए वापसी के लिए पूरा प्रयास करेंगे । रिजवान ने कहा कि उन्होंने पहले भी स्वीकार किया था कि खराब प्रदर्शन के आधार पर वह टीम में जगह के अधिकारी नहीं हैं । उन्होंने कहा, जब मैं बिग बैश लीग (बीबीएल) खेल रहा था, तब भी मैंने कहा था कि इस प्रदर्शन के आधार पर मैं अभी पाक टीम में जगह हासिल नहीं कर सकता । रिजवान ने ये भी कहा कि अगर प्रशंसक चाहेंगे कि व रिटायर हो जायें तो वह ये भी कर सकते हैं1 इस क्रिकेटर ने कहा, हम सब इंसान हैं । मैंने अपनी गलतियां मानी हैं । अगर आप सोचते हैं कि मुझे इस उम्र में रिटायर हो जाना चाहिए, तो मैं रिटायर हो जाऊंगा । वहीं अगर मैं ऐसा नहीं करता हूं तो खराब फॉर्म के बाद भी वापसी को तैयार हूं क्योंकि क्रिकेट से ही मुझे पहचान मिली है । ऐसे में वापस के लिए मैं पूरी ताकत लगा दूंगा । उन्होंने कहा, क्रिकेट मेरा जुनून है । मैं इससे दूर नहीं जा सकता । अभी मैं फेल हुआ हूं, शायद मेहनत कम थी, लेकिन मैं और मेहनत करके वापसी करूंगा । रिजवान का खराब प्रदर्शन आंकड़ों से साफ दिखता है । पिछले साल 14 पारियों में उन्होंने केवल 242 रन बनाये और उनका औसत 17.28 रहा जबकि पीएसएल मे में इस साल 7 पारियों में वह 107 रन ही बना पाये हैं । ऐसे में फिलहाल उनकी वापसी की संभावना नजर नहीं आती ।

अब मेरा लक्ष्य भारत के लिए सभी फॉर्मेट में खेलना है, आरसीबी के तेज गेंदबाज रासिख ने बताया आगे का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के तेज गेंदबाज रासिख सलाम डार ने कहा कि उनका सबसे बड़ा सपना भारत के लिए सभी फॉर्मेट में खेलना है और वह देश का प्रतिनिधित्व किसी भी फॉर्मेट में करने के लिए तैयार हैं। IPL 2026 में रासिख ने तीन मैचों में 5 विकेट लिए हैं, जिसमें 4/24 का मैच जिताने वाला प्रदर्शन भी शामिल है। रासिख ने फ्रैंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में कहा, 'मैंने क्रिकेट खेलना IPL या भारत के बारे में सोचकर शुरू नहीं किया था। मुझे कोई अंदाजा नहीं था कि यह सफर मुझे कहां ले जाएगा। लेकिन अब मेरा लक्ष्य भारत के लिए सभी फॉर्मेट में किसी भी फॉर्मेट में खेलना है।'

उनकी लगन तब साफ दिखी जब उन्होंने इस सीजन में पहली बार वानखेड़े स्टेडियम में मैच खेला; ऐंठन (cramps) से जूझने के बावजूद उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 1-23 का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, 'जब मैं गेंदबाजी करने आया, तो मुझे ऐंठन होने लगी,

ऐसा कुछ मैंने पहले कभी महसूस नहीं किया था। लगभग हर गेंद के बाद मुझे ऐंठन हो रही थी। गेंद डालते समय मैं गिर रहा था और ठीक से झुक भी नहीं पा रहा था। मेरे मन में बस एक ही बात थी कि मुझे यह ओवर पूरा करना है। अगर मैं ऐसा कर पाता, तो टीम बेहतर स्थिति में होती।'

उनके इन प्रयासों की RCB के सहायक कोच ओंकार साल्वी ने भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'उसमें एक अलग ही जज्बा है। जम्मू-कश्मीर की पहाड़ियों में रहना, वह मुश्किल जिंदगी, क्रिकेट खेलने के लिए घंटों का सफर तय करना, आप देख सकते हैं कि एक खिलाड़ी के तौर पर उसने कितनी तरक्की की है। सबसे पहली चीज जो मैंने उसमें देखी, वह थी उसकी प्रतिस्पर्धी भावना। साथ ही, उसका नजरिया भी काफी रचनात्मक था। गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने के अलावा, उसके पास एक धीमी गेंद (slower one) भी थी, और टी20 क्रिकेट खेलने का उसका नजरिया भी दूसरों से अलग था।'

रासिख ने अपने करियर की शुरुआत में मन में उठने वाले उन शुरुआती सवालों को याद किया, जब तक कि उन्हें अपनी मां से हौसला नहीं मिला। रासिख ने कहा, 'जब मैंने पेशेवर तौर पर क्रिकेट खेलना शुरू किया, तो मेरे परिवार और रिश्तेदारों का कहना था कि कोई भी क्रिकेट को अपना पेशा नहीं बना सकता, क्योंकि हमारे इलाके से बहुत कम लोग ही क्रिकेट खेलते थे। लेकिन मेरी मां को हमेशा मुझ पर भरोसा था। बचपन से ही वह कहती थीं कि मेरा बेटा एक दिन क्रिकेटर जरूर बनेगा।'

उनकी इस यात्रा में ट्रायल में शामिल होने के लिए लंबी यात्राएं, इरफान पठान से मार्गदर्शन और बाद में कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा चुने जाने के बाद चोटों के कारण मिली रुकावटें शामिल थीं; इस दौरान उन्हें खेल से दो साल का ब्रेक भी लेना पड़ा। उन्होंने कहा, 'जब मैं पहली बार अंडर-19 ट्रायल के लिए गया, तो मुझे इसकी प्रक्रिया भी ठीक से पता नहीं थी। उस साल मेरा चयन नहीं हुआ। अगले साल, जब मैं दोबारा गया, तो वहां इरफान पठान मौजूद थे। मुझे कुछ गेंदें फेंकते देखने के बाद उन्होंने मुझे रोका और मेरा मार्गदर्शन करना शुरू कर दिया। तभी मुझे लगा कि शायद उन्हें मुझमें कुछ खास नजर आया है। दो मैच खेलने के बाद मुझे पीठ में चोट लग गई। फिर ठीक होने की प्रक्रिया के दौरान मुझे दोबारा चोट लग गई। उस समय मुझे एहसास हुआ कि मुझे जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। मुझे पूरी प्रक्रिया का पालन करना था, चाहे इसमें कितना भी समय क्यों न लगे।'

RCB ने मेगा ऑक्शन में उन पर भरोसा दिखाया और उन्हें 6 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल कर लिया। हालांकि 2025 के खिताब जीतने वाले सीजन में उन्हें ज्यादा मैच खेलने का मौका नहीं मिला, फिर भी रासिख RCB के सीनियर गेंदबाजों से सीखने के इस मौके का पूरा आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा, 'भुवनेश्वर कुमार जैसे खिलाड़ियों के साथ काम करते हुए, मैं उनसे बहुत सारे सवाल पूछता था कि उन्होंने किसी खास समय पर कोई खास गेंद क्यों फेंकी। मैं बस सीखना चाहता था।'

पर्दे के पीछे की उनकी मेहनत साल्वी को साफ नजर आती थी। उन्होंने कहा, 'वह हमेशा अपने लिए कड़ी मेहनत करते रहते थे। वह हमेशा हर उस मैच से कुछ न कुछ सीखने की कोशिश करते थे जिसे वह बाहर बैठकर देख रहे होते थे। और फिर उनकी अपनी राय भी होती थी, जिस पर हम मैच के बाद अभ्यास के दौरान चर्चा करते थे। रासिख में गेंद को दोनों तरफ घुमाने की काबिलियत है।'

रणवीर सिंह और शंकर महादेवन का मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

शंकर महादेवन के टैलेंट के आगे झुके रणवीर सिंह, किल दिल के गाने सजदे पर वायरल हुई मजेदार रील

बॉलीवुड में जब अभिनय और संगीत के धुरंधर एक साथ किसी मंच पर आते हैं, तो वह पल फैंस के लिए यादगार बन जाता है। हाल ही में ऐसा ही एक शानदार नजारा देखने को मिला जब सुपरस्टार रणवीर सिंह और संगीतकार शंकर महादेवन ने सोशल मीडिया पर एक बेहद मजेदार वीडियो साझा किया। यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया, जिसमें दोनों कलाकार गाने की धुन और मस्ती में पूरी तरह डूबे हुए नजर आ रहे हैं। इस रील ने न केवल उनके फैंस का मनोरंजन किया, बल्कि किल दिल फिल्म के एक पुराने गाने को एक बार फिर से ट्रेंड में ला दिया। वीडियो में रणवीर सिंह और शंकर महादेवन साल 2014 की बॉलीवुड फिल्म किल दिल के लोकप्रिय गाने सजदे को पूरे जोश और जुनून के साथ गाते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह गाना अपनी रिलीज के 12 साल बाद भी सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींचने में कामयाब रहा है और अब यह एक बार फिर से ट्रेंड कर रहा है। वीडियो में रणवीर सिंह अपनी ऊर्जावान शैली में शंकर महादेवन के हाई-लेवल सिंगिंग को मैच करने की पूरी कोशिश करते दिख रहे हैं। हालांकि, अंत में वह शंकर महादेवन की आवाज और उनके हुनर के आगे झुक जाते हैं, जो दर्शकों को खूब हंसाता है और उनके बीच की केमिस्ट्री को दर्शाता है। रणवीर, जो अपनी अत्यधिक ऊर्जा और चुलबुले व्यक्तित्व के लिए जाने जाते हैं, उनके लिए भी शंकर महादेवन की गायकी का मुकाबला करना एक चुनौती साबित हुआ, जिसने इस पल को और भी मनोरंजक बना दिया। वीडियो के साथ शंकर महादेवन ने कैप्शन में लिखा, आई लव यू, रणवीर! इस पर रणवीर सिंह ने भी सोशल मीडिया पर कमेंट करते हुए तुरंत जवाब दिया, आईएलवाईएसएम, जिसका अर्थ है आई लव यू सो मच। यह प्यारा और आपसी सम्मान से भरा आदान-प्रदान उनके गहरे रिश्ते और एक-दूसरे के प्रति सम्मान को दर्शाता है, जिसने फैंस का दिल जीत लिया। रणवीर सिंह के हालिया करियर की बात करें तो, वह लगातार सफलता की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं। उनकी हाल ही में रिलीज हुई फिल्में धुरंधर और धुरंधर 2: द रिवेंज इंटरनेट और थिएटर्स दोनों पर हिट रही हैं। इन दोनों ही फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और दर्शकों के बीच जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की। इन फिल्मों में रणवीर सिंह के साथ संजय दत्त, आर. माधवन और राकेश बेदी जैसे दिग्गज कलाकारों ने भी अहम भूमिकाएं निभाईं, जिससे उनकी एक्टिंग को एक नया आयाम मिला। अब बात करते हैं उस गाने सजदे की, जिसने इस वायरल वीडियो में जान भर दी। यह गाना यशराज फिल्म्स द्वारा निर्मित किल दिल फिल्म से है, जो एक बॉलीवुड एक्शन-रोमांस थी। यह फिल्म 14 नवंबर 2014 को रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन शाद अली ने किया था। फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा, अली जफर, परिणीति चोपड़ा और अनुभवी अभिनेता गोविंदा ने भी अहम भूमिकाएं निभाई थीं, जिनकी परफॉर्मेंस को सराहा गया था।

जन नायकन को सिनेमाघरों में बड़े पर्दे पर देखें: पूजा हेगडे

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायकन' के फुटेज के इंटरनेट पर लीक होने पर अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने अपने दर्शकों से अपील की है कि वे फिल्म का इंतजार करें और इसे सिनेमाघरों में बड़े पर्दे पर देखें, ताकि पूरी टीम की मेहनत का सम्मान हो सके। एक बयान जारी करते हुए पूजा हेगड़े ने कहा, मेरे प्यारे दर्शकों, एक फिल्म अनगिनत घंटों की मेहनत, रचनात्मक जोखिम और पूरी टीम की व्यक्तिगत कुर्बानियों का परिणाम होती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि फिल्म को ऑनलाइन लीक होते और गैर-कानूनी तरीके से साझा होते देखना बेहद दुखद है। यह सिर्फ कमाई का नुकसान नहीं, बल्कि हर कलाकार और टेक्नीशियन की मेहनत और इज्जत को भी छीन लेता है। पूजा ने विशेष रूप से यह भी उल्लेख किया कि यह विजय की आखिरी फिल्म है, और हर कोई इसे बड़े पर्दे पर सही तरीके से देखने और उसका जश्न मनाने का हकदार है। उन्होंने दर्शकों से अनुरोध किया, चलिए, थोड़ा इंतजार करते हैं। फिल्म सही समय पर रिलीज होगी। पायरेसी को बढ़ावा न दें। इसी तरह सिनेमा और कला जिंदा रहेंगे। दूसरी ओर, फिल्म के प्रोडक्शन हाउस, केवीएन प्रोडक्शंस ने भी इस घटना पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की। प्रोड्यूसर्स ने एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि फिल्म के कुछ सीन और क्लिप गैर-कानूनी तरीके से लीक हो गए हैं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि व्हाट्सएप, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब, टोरेंट या किसी भी अन्य माध्यम से लीक कंटेंट को डाउनलोड करना, देखना, साझा करना या स्टोर करना कॉपीराइट कानून का उल्लंघन है और एक गंभीर अपराध है। प्रोडक्शन हाउस ने यह भी बताया कि उन्होंने इस मामले में तुरंत जांच शुरू कर दी है। फोरेंसिक जांच के साथ, लीक में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है, और हर अपराधी के खिलाफ बिना किसी अपवाद के सख्त आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम जनता को सलाह दी कि वे लीक हुए कंटेंट को न खोलें, न स्टोर करें और न ही आगे साझा करें। अगर किसी को ऐसा कंटेंट मिलता है, तो उसे तुरंत डिलीट कर दें। 'जन नायकन' एक हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर फिल्म है, जिसे थलपति विजय की आखिरी फिल्म बताया जा रहा है। एच. विनोद के निर्देशन में बनी यह फिल्म दर्शकों के लिए एक बड़ा सिनेमाई अनुभव होने की उम्मीद है।

राशा थडानी और वीर हिरानी की जोड़ी का 'लगन लागी रे' में दिखेगा नया रोमांस

बॉलीवुड में एक और स्टार किड डेब्यू की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और निर्देशक राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी अब एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। दोनों की जोड़ी फिल्म 'लगन लागी रे' में देखने को मिलेगी, जिसे एक फ्रेश रोमांटिक कहानी के रूप में पेश किया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के लिए काफी समय से लीड एक्ट्रेस की तलाश चल रही थी, जो अब जाकर राशा थडानी पर खत्म हुई है। निर्माता जय शेवक्रमणि इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं और उनका मानना है कि वीर और राशा की नई जोड़ी दर्शकों को खास तौर पर आकर्षित करेगी। यह फिल्म युवाओं पर आधारित एक रोमांटिक कहानी होगी, जिसमें दोनों कलाकार इश्क लड़ाते नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी सोनाली रतन देशमुख संभाल रही हैं, जिन्होंने पहले 'जन्नत', 'तुम मिले' और 'शिद्दत' जैसी फिल्मों में बतौर सहायक निर्देशक काम किया है। फिल्म की शूटिंग जुलाई 2026 से शुरू होने की योजना है और इसे एक बड़े स्तर पर तैयार किया जाएगा। वर्क फ्रंट की बात करें, तो वीर हिरानी इससे पहले प्रीतम पेड्रो के जरिए ओटीटी पर डेब्यू करेंगे, जिसमें अरशद वारसी और विक्रांत मैसी भी नजर आएंगे। वहीं राशा थडानी ने आजाद से अपने करियर की शुरुआत की थी। अब 'लगन लागी रे' के जरिए दोनों स्टार किड्स बड़े पर्दे पर अपनी नई पहचान बनाने के लिए तैयार हैं।

गौरवपूर्ण वापसी पर भावुक हुई एक्ट्रेस सेलिना जेटली

हाल ही में 61वें फेमिना मिस इंडिया पेजेंट में बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली ने अपनी गौरवपूर्ण वापसी की, जिसने उन्हें 21 साल बाद उसी मंच पर फिर से खड़ा कर दिया जहाँ से उनके सपनों की उड़ान शुरू हुई थी। अपनी इस खास और भावनात्मक शाम की यादें साझा करते हुए सोशल मीडिया पर सेलिना ने इसे पूरा सर्कल पूरा होने का एक गहरा अहसास बताया। उनकी वापसी ने न केवल उनके प्रशंसकों को उत्साहित किया, बल्कि कई युवा प्रतियोगियों को भी प्रेरित किया, जिन्होंने उन्हें एक पथप्रदर्शक के रूप में देखा। साल 2001 की मिस इंडिया और मिस यूनिवर्स रनर-अप रही सेलिना ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ शानदार तस्वीरों के साथ लिखा, अबाउट लास्ट नाइट। 61वां फेमिना मिस इंडिया पेजेंट। मैं वहीं वापस आ गई जहां से इसकी शुरुआत हुई थी। इस बार, 2001 में मिस इंडिया का प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली सेलिना ने नई पीढ़ी की युवा प्रतियोगियों को ताज पहनाने का महत्वपूर्ण जिम्मा संभाला। उन्होंने बताया कि शुरुआती विजेताओं को ताज पहनाना उनके लिए बेहद खास और भावुक अनुभव था। सेलिना ने उन सभी युवा महिलाओं के सफर की शुरुआत देखी, जो अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करेंगी और अपने सपनों, ताकत व लक्ष्यों के साथ चमकेंगी। इस यादगार शाम के लिए, सेलिना ने रॉकी स्टार द्वारा डिज़ाइन की गई एक खूबसूरत ड्रेस पहनी थी और दासानी ब्रदर्स के एक करोड़ रुपए मूल्य के हीरों-माणिकों से सजी ज्वेलरी धारण की थी। खास बात यह रही कि उन्होंने अपना मेकअप और हेयरस्टाइल खुद ही किया, जो उनकी आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास को दर्शाता है। अपने पोस्ट में, सेलिना ने ताज के गहरे प्रतीकात्मक अर्थ पर जोर दिया। उन्होंने लिखा, ताज सिर्फ सिर पर रखने के लिए नहीं होते, उन्हें शान से संभालना पड़ता है। उन्होंने ताज को हिम्मत, गरिमा, ईमानदारी और सही के लिए आवाज़ उठाने का प्रतीक बताया, और यह कहकर कि ताज सिर्फ पहना नहीं जाता, उसे जिया जाता है, उन्होंने इसके महत्व को एक नया आयाम दिया। हिमाचल प्रदेश में जन्मीं सेलिना का परिवार सेना से जुड़ा था; उनके पिता कर्नल और माँ भी सेना में थीं। छोटी उम्र में सेना में भर्ती होने या डॉक्टर बनने का सपना देखने वाली सेलिना ने अंततः मॉडलिंग में कदम रखा। 16 साल की उम्र में उन्हें मॉडलिंग का अवसर मिला और फेमिना मिस इंडिया 2001 का खिताब अपने नाम कर उन्होंने ग्लैमर वर्ल्ड में अपनी जगह बनाई।

'मातृभूमि' को लेकर सलमान खान का रुख साफ, ओटीटी रिलीज से इनकार

अभिनेता सलमान खान की आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर चल रही अटकलों पर अब विराम लग गया है। पिछले कुछ दिनों से ऐसी खबरें सामने आ रही थीं कि फिल्म को सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जा सकता है, लेकिन ताजा जानकारी के अनुसार मेकर्स ने स्पष्ट कर दिया है कि यह फिल्म डिजिटल नहीं बल्कि बड़े पर्दे पर ही दर्शकों के सामने लाई जाएगी। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक 'मातृभूमि' को भव्य स्तर पर तैयार किया गया है और इसे सिनेमाघरों के अनुभव को ध्यान में रखकर बनाया गया है। सूत्र का कहना है कि सलमान खान और निर्देशक अपूर्वा लखिया दोनों इस फिल्म को थिएटर में रिलीज करने के पक्ष में हैं। फिल्म की रिलीज में भले ही देरी हो रही हो, लेकिन इसे ओटीटी पर लाने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म को अभी तक सेंसर बोर्ड के पास प्रमाणन के लिए नहीं भेजा गया है। बताया जा रहा है कि शुरुआत में फिल्म एक सच्ची घटना से प्रेरित थी, लेकिन रक्षा मंत्रालय की आपत्तियों के बाद कहानी में कुछ बदलाव किए गए। मंत्रालय ने फिल्म में चीन और गलवान घाटी से जुड़े सीधे संदर्भों को हटाने की सलाह दी थी, जिसके बाद निर्माताओं को कुछ हिस्सों की दोबारा शूटिंग करनी पड़ी।

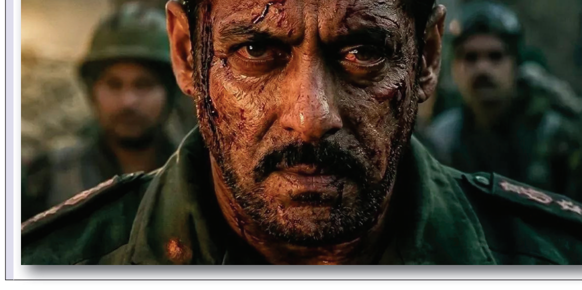

अंकिता लोखंडे का एक्स अकाउंट हैक

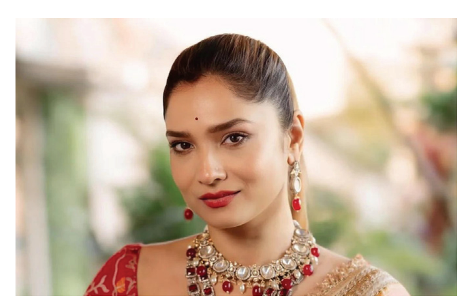

लोकप्रिय टीवी और फिल्म अभिनेत्री अंकिता लोखंडे का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' अकाउंट हैक हो गया है। इस बात की जानकारी खुद अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए शेयर की। अंकिता ने फैंस और फॉलोअर्स को आगाह करते हुए कहा है कि जब तक उनका अकाउंट पूरी तरह सुरक्षित नहीं हो जाता, तब तक उस अकाउंट से होने वाली किसी भी गतिविधि को उनकी आधिकारिक प्रतिक्रिया न माना जाए। अंकिता ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, "दोस्तों, मेरा एक्स अकाउंट हैक हो गया है और मैं इसे रिकवर करने की कोशिश कर रही हूं। अगले नोटिस तक उस अकाउंट से किए गए किसी भी ट्वीट या मैसेज का जवाब न दें, क्योंकि वह मेरी ओर से नहीं है।" उन्होंने अपने प्रशंसकों से सतर्क रहने की अपील करते हुए उनके प्यार और समर्थन के लिए आभार भी जताया। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाली अंकिता अक्सर अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी की झलकियां फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। अंकिता लोखंडे को सबसे ज्यादा पहचान टीवी के चर्चित धारावाहिक पवित्रा रिश्ता में 'अर्चना' के किरदार से मिली थी। इस शो ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बना दिया था। इसी शो में उनके साथ दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत नजर आए थे और दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अंकिता कई बार अपने करियर में यह मौका देने के लिए निर्माता एकता कपूर का आभार जता चुकी हैं। अभिनेत्री इन दिनों रियलिटी शो 'सेलिब्रिटी लाफ्टर शेफ्स' में नजर आ रही हैं, जहां उनका हल्का-फुल्का अंदाज दर्शकों को पसंद आ रहा है। अंकिता ने दिसंबर 2021 में बिजनेसमैन विक्की जैन से शादी की थी और दोनों को बिग बॉस 17 में भी साथ देखा गया था। फिलहाल फैंस उनकी सोशल मीडिया सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं और अकाउंट जल्द रिकवर होने की उम्मीद कर रहे हैं।

राम चरण की फिल्म 'पेड्डी' अब जून में होगी रिलीज, कई कलाकार अहम भूमिकाओं में होंगे

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार राम चरण की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पेड्डी' को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। हालांकि, फिल्म जून 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी, लेकिन इसकी नई तारीख का आधिकारिक ऐलान जल्द किया जाएगा। निर्माताओं का कहना है कि दर्शकों को बेहतरीन सिनेमाई अनुभव देने के लिए पोस्ट-प्रोडक्शन पर और समय दिया जा रहा है। 'पेड्डी' का ऐलान होने के बाद से ही यह फिल्म चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में रिलीज हुए 'पेड्डी पहलवान' लुक और टीज़र ने फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया था। फिल्म में राम चरण एक बिल्कुल अलग और दमदार अवतार में नजर आ रहे हैं। उनके साथ जाह्नवी कपूर, जगपति बाबू और शिव राजकुमार जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी 'पेड्डी' एक बड़े पैमाने की एक्शन-ड्रामा फिल्म है, जिसे पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। वेंकट सतीश किलारु द्वारा निर्मित इस फिल्म को मैत्री मूवी मेकर्स के सहयोग से तैयार किया गया है। फिल्म को लेकर लगातार बढ़ रही उत्सुकता के बीच अब फैंस इसकी नई रिलीज डेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने विवादित विधेयक पर हस्ताक्षर किए, निगरानी कार्यक्रम का 30 अप्रैल तक विस्तार ; अब संसद में होगी बहस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए, जिसके बाद एक विवादित निगरानी कार्यक्रम को 30 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है। यह कम अवधि का विस्तार है। इसके बाद अब इस मुद्दे पर कांग्रेस (संसद) में बहस होने की संभावना है। यह विधेयक शुक्रवार को सीनेट में अंतिम क्षण में पारित किया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निगरानी का अधिकार कुछ ही दिनों में समाप्त न हो जाए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी बताया और इसके नवीनीकरण का समर्थन किया। हालांकि, आलोचक इसे नागरिकों की आजादी के लिए खतरा मान रहे हैं। इस विवाद के केंद्र में 'धारा 702' है। यह विदेशी खुफिया निगरानी कानून का हिस्सा है। यह धारा केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी (सीआईए), राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए), संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और अन्य एजेंसियों को बिना वारंट के विदेशी संचार को बड़ी मात्रा में एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने की अनुमति देती है। इस प्रक्रिया में कभी-कभी अमेरिकी नागरिकों के संदेश भी शामिल हो जाते हैं, अगर वे विदेशी लक्ष्यों से संपर्क में हों।

'ट्रंप प्रशासन के लिए खतरा हैं मुनीर, ईरान से करीबी संबंध', अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का बड़ा दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के लिए एक संभावित 'रेड फ्लैग' यानी जोखिम साबित हो सकते हैं। इसकी वजह उनके ईरान के शीर्ष सैन्य नेतृत्व से लंबे समय से संबंध बताए जा रहे हैं। फॉक्स न्यूज की हालिया रिपोर्ट और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की आकलन रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में ईरानी नेतृत्व से गहरे और लंबे समय से संबंधों के कारण मुनीर को उनके ट्रंप प्रशासन के लिए एक संभावित जोखिम बताया गया है। पाकिस्तान के सेवानिवृत्त जनरल ने फॉक्स न्यूज डिजिटल को बताया कि मुनीर के ईरान के कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से व्यक्तिगत संबंध रहे हैं, जिनमें कुद्स फोर्स के मारे गए कमांडर कासिम सुलेमानी और आईआरजीसी कमांडर हौसैन सलामी शामिल हैं। ये संबंध ऐसे समय में चर्चा में हैं, जब मुनीर अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच पीछे वाले दरवाजे से मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। इस भूमिका के तहत वह दोनों देशों के बीच गोपनीय स्तर पर संवाद बनाए रखने और बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से मुनीर की प्रशंसा करते हुए उन्हें अपना 'पसंदीदा फील्ड मार्शल' बताते हैं। लेकिन, खुफिया अधिकारियों का कहना है कि उनकी दोहरी भूमिका अमेरिकी हितों के लिए नुकसानदेह हो सकती है। फॉक्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के इतिहास को देखते हुए, खासकर अफगानिस्तान में उसकी भूमिका को लेकर उसे एक 'भरोसेमंद सहयोगी नहीं' माना जा सकता है। इसलिए, उनके ईरान के साथ नजदीकी संबंध को सुरक्षा के लिए जोखिम के रूप में देखा जा रहा है।

'ट्रंप से बहस करना बिल्कुल भी मेरे हित में नहीं', पोप लियो बोले- मेरा काम दुनिया में शांति को बढ़ावा देना है

कैमरून, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई तीखी आलोचनाओं पर विराम लगाते हुए पोप ने बड़े ही सौम्य लेकिन दृढ़ शब्दों में कहा कि ईरान युद्ध को लेकर 'राष्ट्रपति के साथ बहस करना बिल्कुल भी मेरे हित में नहीं है।' कैमरून से अंगोला की उड़ान के दौरान पोप लियो चौदहवें ने एक बार फिर दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है कि उनका मिशन राजनीति नहीं, बल्कि शांति है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई तीखी आलोचनाओं पर विराम लगाते हुए पोप ने बड़े ही सौम्य लेकिन दृढ़ शब्दों में कहा कि ईरान युद्ध को लेकर ''राष्ट्रपति के साथ बहस करना बिल्कुल भी मेरे हित में नहीं है।'' पिछले कुछ दिनों से ट्रंप और वेटिकन के बीच वाकयुद्ध का जो दौर चल रहा था, उस पर पोप ने स्पष्ट किया कि शांति का उनका प्रचार किसी व्यक्ति विशेष (ट्रंप) के लिए नहीं, बल्कि ईसा मसीह के उपदेशों पर आधारित है। ट्रंप ने उन पर अपराधों को लेकर 'नरम' होने और वामपंथियों का करीबी होने का आरोप लगाया था, यहां तक कि उनके चयन का श्रेय भी खुद को दिया था। इसके जवाब में पोप ने कहा कि मेरे बयानों का उद्देश्य किसी राजनीतिक विवाद को जन्म देना नहीं था। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध और अफ्रीका के आंतरिक संघर्षों का जिक्र करते हुए कहा कि धर्म के नाम पर युद्ध का औचित्य साबित करना गलत है।' मैं मुख्य रूप से एक पादरी के रूप में, कैथोलिक चर्च के प्रमुख के रूप में अफ्रीका आया हूं। मेरा काम दुनिया में न्याय, भाईचारा और शांति को बढ़ावा देना है।

उत्तर कोरिया ने दागीं बैलिस्टिक मिसाइलें, हाई अलर्ट पर जापान; दक्षिण कोरिया भी सतर्क

प्योंगयांग , एजेंसी। एशिया में एक बार फिर तनाव की लहर तेज हो गई है। रविवार को दक्षिण कोरिया ने दावा किया कि उत्तर कोरिया ने अपनी पूर्वी समुद्री सीमा की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब क्षेत्र पहले से ही सुरक्षा चुनौतियों और शक्ति संतुलन के दबाव से जूझ रहा है। लगातार हो रहे मिसाइल परीक्षण न केवल पड़ोसी देशों के लिए चिंता का कारण बन रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अस्थिरता की आशंका को बढ़ा रहे हैं।

दक्षिण कोरियाई सेना के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अनुसार ये मिसाइलें रविवार सुबह उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय इलाके सिनपो से छोड़ी गईं। यह इलाका पहले भी मिसाइल परीक्षणों के लिए जाना जाता रहा है। दक्षिण कोरिया ने कहा है कि वह इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और अपनी निगरानी व्यवस्था को और मजबूत कर दिया है।

हाई अलर्ट पर जापान, देशभर में मचा हड़कंप : इतना ही नहीं रविवार सुबह जापान में उस समय हड़कंप मच गया, जब उत्तर कोरिया की ओर से कई बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने की खबर सामने आई। स्थिति को गंभीर मानते हुए जापान सरकार तुरंत हाई अलर्ट पर आ गई और देशभर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने बताया कि सुबह करीब 6

बजे उत्तर कोरिया की ओर से कई मिसाइलें छोड़ी गईं। हालांकि शुरुआती जानकारी के अनुसार ये मिसाइलें जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर ही समुद्र में गिर गईं, जिससे किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ बातचीत जारी : इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस घटना के बाद जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण कोरिया मिलकर स्थिति का विश्लेषण कर रहे हैं। सभी देश मिलकर यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि इन मिसाइलों का मकसद क्या था और आगे क्या खतरा हो सकता है। घटना के तुरंत बाद जापान सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय के संकट प्रबंधन केंद्र में एक आपात बैठक बुलाई। इस बैठक में सभी संबंधित मंत्रालयों और एजेंसियों को निर्देश दिया गया कि वे तेजी से जानकारी जुटाएं और हर स्थिति के लिए तैयार रहें।

दक्षिण कोरिया ने बढ़ाई निगरानी : इस बीच दक्षिण कोरिया ने भी अपनी निगरानी बढ़ा दी है और वह लगातार अमेरिका और जापान के संपर्क में है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये मिसाइलें उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय शहर सिनपो से दागी गईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस साल यह उत्तर कोरिया का सातवां बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण है और अप्रैल महीने में ही चौथा परीक्षण है। यह कदम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के नियमों का उल्लंघन माना जा रहा है, क्योंकि इन नियमों के तहत उत्तर कोरिया को ऐसे परीक्षण करने की अनुमति नहीं है।

हालांकि उत्तर कोरिया इन प्रतिबंधों को नहीं मानता और उसका कहना है कि यह उसके आत्मरक्षा के अधिकार के खिलाफ है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन पहले भी कह चुके हैं कि उनका देश अपनी सुरक्षा के लिए परमाणु और मिसाइल ताकत को लगातार बढ़ाता रहेगा। इसी बीच, परमाणु मामलों की निगरानी करने वाली संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने भी चेतावनी दी है कि उत्तर कोरिया तेजी से अपनी परमाणु क्षमता बढ़ा रहा है और उसने संभवतः यूरेनियम संवर्धन की नई सुविधा भी तैयार कर ली है।

यूक्रेन की राजधानी कीव में गोलीबारी, 6 लोगों की मौत, कई बुरी तरह घायल

कीव, एजेंसी। रूस के साथ युद्ध में उलझे यूक्रेन की राजधानी कीव में एक व्यक्ति ने सड़क पर जा रहे लोगों के ऊपर गोलीबारी कर दी है। इसके बाद उसने एक सुपरमार्केट में लोगों को बंदी बना लिया। इसकी वजह से करीब छह लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं। कीव पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि गोलीबारी की यह घटना दक्षिणई होलोसिव्स्की में हुई है। हमलावर को मार गिराया गया है। यूक्रेन के गृह मंत्री इगोर क्लिमेंको ने बाद में पुष्टि की कि एक सुपरमार्केट में लोगों को बंधक बना लिया गया था और हमलावर ने मारे जाने से पहले पुलिस अधिकारियों पर गोली चलाई थी। मृत और घायलों की सही संख्या अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन कीव के मेयर क्लिट्स्को ने कहा कि एक बच्चे सहित कम से कम 12 लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। घटना की ज्यादा जानकारी देते हुए क्लिट्स्को ने कहा कि हमलावर ने सबसे पहले सड़क पर जा रहे लोगों के ऊपर गोलीबारी करना शुरू कर दिया। इसके बाद वह एक सुपरमार्केट में मौजूद लोगों को बंधक बना लिया। इसके बाद पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में उसकी मौत हो गई। यूक्रेन के अभियोजक रुस्लान क्रावचेंको ने हमलावर की पहचान रूस की राजधानी मॉस्को के निवासी के तौर पर की है। उन्होंने बताया कि रूसी नागरिक ने इस घटना को अंजाम देने के लिए स्वचालित हथियार का इस्तेमाल किया था। इसके पहले कुछ

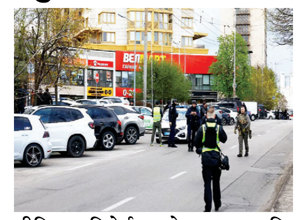

मीडिया रिपोर्ट्स ने बताया कि हमलावर जिस अपार्टमेंट में रहता था, उसमें भी आग लग गई है। हालांकि, कई लोगों ने इसे विस्फोट का परिणाम बताया। घटना की पुष्टि करते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि एक हमलावर ने सुपरमार्केट में चार लोगों को बंदी बना लिया था। यूक्रेन पुलिस ने प्रयास करके इन सभी को सुरक्षित निकाल लिया है। हमलावर की मौत हो चुकी है।

कम से कम 10 लोग घायल : घटनास्थल से लाइव प्रसारण में दिखा कि जिस मॉल कॉम्प्लेक्स में सुपरमार्केट था, उसके अंदर पुलिस टीमें गोलीबारी के बीच मोर्चा संभाले थीं. गोलियों की आवाजें सुनाई दे रही थीं. जानकारी के मुताबिक, आसपास मौजूद लोगों को हालात बिगड़ते ही तुरंत सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया. यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि कम से कम 10 लोग घायल हैं और सदमे की स्थिति में अस्पताल में भर्ती किए गए हैं, जहां उनका इलाज जारी है. पुलिस ऑपरेशन के दौरान 4 बंधकों को सुरक्षित बचा लिया गया. यूक्रेन की नेशनल पुलिस और सुरक्षा सेवा के अधिकारी मामले की जांच में जुटे हुए हैं. जांच जारी रहने के बीच गृह मंत्रालय को निर्देश दिए गए हैं।

होर्मुज स्ट्रेट के दोबारा बंद होने से भड़का अमेरिका, ईरान के खिलाफ बनाई खास रणनीति

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संकट अब और भी ज्यादा बढ़ने की कगार पर है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा बंद कर दिया है। अब अमेरिका ने भी तेहरान के इस फैसले के खिलाफ ऐक्शन प्लान बना लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी तक ईरान के व्यापारिक जहाजों को केवल धमकी देने वाला अमेरिका अब होर्मुज से बाहर आने वाले और समुद्र में मौजूद जहाजों पर कब्जा करने की तैयारी में है। हालांकि, अभी तक अमेरिका की तरफ से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के होर्मुज बंद करने के फैसले से नाराज अमेरिका अब ईरान के व्यापारिक जहाजों के ऊपर चढ़कर उन्हें जब्त करने की तैयार में है। दो अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से जर्नल ने बताया कि आने वाले समय में अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में मौजूद ईरानी जहाजों को अमेरिका जब्त करना शुरू करेगा। इसके लिए वह होर्मुज के अलावा भी ऐक्शन लेने की तैयारी में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन इस कदम के जरिए ईरान के ऊपर आर्थिक दबाव बढ़ाना चाहता है। ताकि ईरान होर्मुज को खोलने और परमाणु हथियार कार्यक्रम को रोकने के लिए मजबूर किया जा सके। बता दें, शुक्रवार को ईरान ने होर्मुज को खोलने का ऐलान कर दिया था, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ने होर्मुज के बाहर लगे ब्लाकेड को ईरानी जहाजों के लिए खोलने से इनकार कर दिया। इसके बाद ईरान ने ट्रंप के ऊपर वादा-खिलाफी का आरोप लगा, शनिवार को एक बार फिर से होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने का ऐलान कर दिया। ईरानी सेना की तरफ से एक बयान जारी करके कहा गया कि ईरान ने लेबनान में सीजफायर को मद्देनजर रखते हुए होर्मुज को खोलने का ऐलान कर दिया था, लेकिन अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों से निकलने वाले और यहां आने वाले जहाजों के लिए अपना ब्लाकेड नहीं खोला है। इसलिए अब इस्लामिक राज्य ईरान भी होर्मुज को दोबारा से बंद कर रहा है। ईरान ने इस घोषणा के बाद रेडियो के जरिए सभी जहाजों को होर्मुज के बंद होने की सूचना दे दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक शुक्रवार को होर्मुज के खुलने के ऐलान के साथ कई जहाज यहां से निकलने के लिए आगे बढ़े।

कर्ज नहीं चुका पा रहा मालदीव, मुइज्जू को आई भारत की याद: करेंसी स्वैपिंग की मांग रहे मदद

माले, एजेंसी। मालदीव में गहराते आर्थिक तनाव के बीच भारत सरकार मालदीव द्वारा करेंसी स्वैप सुविधा को विस्तार देने के अनुरोध पर विचार कर रही है। हालांकि, मौजूदा नियमों और सख्त शर्तों के कारण भारत के लिए इस अनुरोध को स्वीकार करना कूटनीतिक और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण हो गया है। मालदीव वर्तमान में भारी अंतरराष्ट्रीय कर्ज और घटते विदेशी मुद्रा भंडार के कारण गंभीर वित्तीय दबाव में है। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष ने पर्यटन और ऊर्जा लागतों को प्रभावित कर मालदीव की कमर और तोड़ दी है।

सूत्रों के मुताबिक, मालदीव ने भारत से फिर से करेंसी स्वैप सुविधा बढ़ाने की गुहार लगाई है। लेकिन भारतीय नियमों के अनुसार, दो बार निकासी के बीच एक कूलिंग-ऑफ (निश्चित

समय का अंतर) का होना अनिवार्य है। साथ ही रोल-ओवर (कर्ज की अवधि बढ़ाना) की भी एक तय सीमा होती है। इन तकनीकी कारणों से भारत के लिए दोबारा मदद देना आसान नहीं है। यदि भारत इस बार विस्तार नहीं दे पाता है, तो मालदीव की वित्तीय स्थिति अल्पावधि में और अधिक बिगड़ सकती है।

भारत का अब तक का सहयोग : भारत ने पिछले कुछ वर्षों में मालदीव की समस्याओं को दूर करने के लिए कई असाधारण कदम उठाए हैं। अक्टूबर 2024 में भारत ने 400 मिलियन डॉलर की करेंसी स्वैप सुविधा प्रदान की थी, जिसे सख्त नियमों के बावजूद दो बार रोल-ओवर किया गया। मई और सितंबर 2025 में भारत ने 50-50 मिलियन डॉलर के दो ब्याज मुक्त ट्रेजरी बिलों की अवधि एक साल के लिए बढ़ा दी। जुलाई 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा के दौरान बुनियादी ढांचे के लिए 565 मिलियन डॉलर की 'लाइन ऑफ क्रेडिट' और ऋण चुकाने की शर्तों में ढील देने की घोषणा की गई थी। नाजुक दौर में मालदीव की अर्थव्यवस्था रेटिंग एजेंसियों के अनुसार, मालदीव की स्थिति बेहद चिंताजनक है। फिच रेटिंग्स ने मालदीव की सॉवरेन रेटिंग को 'सीसी' पर रखा है, जो कर्ज चूक की उच्च संभावना को दर्शाता है। मूडिज ने भी अपनी 'सीएए2' रेटिंग बरकरार रखी है। अप्रैल 2026 में मालदीव को लगभग 1 अरब डॉलर का कर्ज चुकाना था, जिसमें 500 मिलियन डॉलर का सुकुक बॉन्ड और भारत के साथ 400 मिलियन डॉलर का करेंसी स्वैप शामिल है। 1 अप्रैल, 2026 को मालदीव सरकार ने अपने सॉवरेन डेवलपमेंट फंड से सुकुक बॉन्ड का भुगतान तो कर दिया, लेकिन इससे उसका विदेशी मुद्रा भंडार काफी कम हो गया है। मालदीव की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से पर्यटन पर टिकी है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण पर्यटकों की संख्या में गिरावट आई है और ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं। इन विपरीत परिस्थितियों में मालदीव के लिए नए अंतरराष्ट्रीय ऋण जुटाना भी मुश्किल होता जा रहा है।

हिजबुल्ला की चेतावनी : इजरायली उल्लंघन का मिलेगा करारा जवाब

बेरुत, एजेंसी। हिजबुल्लाह के नेता नईम कासिम ने कहा कि इजरायल के साथ संघर्ष-विराम का मतलब पूरी तरह से हमले बंद होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इजरायल दक्षिणी लेबनान में किसी तरह का उल्लंघन करता है, तो उसका जवाब दिया जाएगा। कासिम ने अपने बयान में कहा कि एकतरफा संघर्षविराम नहीं हो सकता। उन्होंने साफ किया कि अगर आक्रामक कार्रवाई जारी रहती है, तो हिजबुल्लाह के लड़ाके उसी हिसाब से जवाब देंगे। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पांच अहम शर्तें भी रखीं। इनमें पूरे लेबनान में स्थायी रूप से लड़ाई बंद करना, इजरायली सेना की पूरी वापसी, बंदियों की रिहाई, विस्थापित लोगों को वापस बसाना और अरब तथा अंतरराष्ट्रीय मदद से

पुनर्निर्माण शामिल है। कासिम ने यह भी कहा कि हिजबुल्लाह हार नहीं मानने वाला है और वह लेबनान की आजादी और संप्रभुता के लिए आगे भी प्रयास करता रहेगा। कासिम ने यह भी कहा कि हिजबुल्लाह लेबनानी सरकार के साथ सहयोग का 'एक नया अध्याय' शुरू करने के लिए तैयार है। उन्होंने राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने और संप्रभुता की रक्षा के लिए सरकारी संस्थानों के साथ काम करने पर जोर दिया। इजरायल और लेबनान के बीच 10 दिन का संघर्ष विराम गुरुवार और शुक्रवार की आधी रात से लागू हुआ। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी घोषणा की थी। लेकिन इजरायली सेना ने शनिवार को बताया कि उसने 'येलो लाइन' के पास पहुंच रहे लड़ाकों पर हमला किया। यह इलाका दक्षिणी लेबनान में इजरायल द्वारा बनाए गए सुरक्षा क्षेत्र की उत्तरी सीमा माना जाता है। प्रत्यक्षदर्शियों और एक लेबनानी सुरक्षा सूत्र के अनुसार, इजरायली सेना ने शनिवार को दक्षिणी लेबनान के सीमावर्ती क्षेत्र के पूर्वी हिस्से में, कफरचौबा गांव के पास एक नया सैन्य ठिकाना बनाना भी शुरू कर दिया।

सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, इजरायली सेना के बुलडोजर और खुदाई मशीनें, एक टैंक की सुरक्षा में, वहां जमीन समतल करने का काम कर रही थी। इन गतिविधियों में जमीन को समतल करना, खुदाई करना और मिट्टी के टीले बनाना शामिल था; ये सभी संकेत इस बात की ओर इशारा करते हैं कि वहां एक नया सैन्य ठिकाना स्थापित किया जा रहा है, जो प्रशासनिक रूप से कफरचौबा से जुड़ा होगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह जगह 'रबा अल-तेबेन' पहाड़ी है, जो लेबनान-इजरायल सीमा से करीब 1.5 किलोमीटर दूर है और जहां जैतून के पेड़ और अंगूर के बाग हैं।

'ईरान वेनेजुएला नहीं है': गालिबाफ का बड़ा दावा- दुश्मन की हर योजना नाकाम

तेहरान, एजेंसी। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि अमेरिका और उसके सहयोगियों की लगभग सभी सैन्य योजनाएं पूरी तरह विफल हो गईं। उनका कहना है कि दुश्मन ईरान की एयरफोर्स और मिसाइल ताकत को कमजोर नहीं कर सका, न ही नौसेना को खत्म कर पाया और न ही जमीनी हमला सफल रहा। उन्होंने खास तौर पर यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने या उस पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल करने की कोशिश भी नाकाम रही।

बिचौलियों के जरिए संदेश भेज रहे हैं ट्रंप' : गालिबाफ ने कहा कि दुश्मन ने पहले चेतावनियां और समयसीमा देकर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जब उसमें भी सफलता नहीं मिली तो अब वह 'बिचौलियों के जरिए संदेश भेजने' लगा है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने युद्ध के मैदान में बढ़त बनाई, जिसके कारण अस्थायी युद्धविराम हुआ। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि ट्रंप अपने लक्ष्य, ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसकी सैन्य क्षमता खत्म करने, में पूरी तरह असफल रहे। गालिबाफ ने यह भी कहा कि 'ईरान वेनेजुएला नहीं है', यानी यहां बाहरी दबाव से सरकार नहीं बदली जा सकती।

'ईरान ने अलग रणनीति अपनाकर मजबूत दुश्मन को पीछे धकेला' : ईरानी संसद के अध्यक्ष ने माना कि सैन्य ताकत के मामले में अमेरिका ईरान से ज्यादा मजबूत है, लेकिन उन्होंने

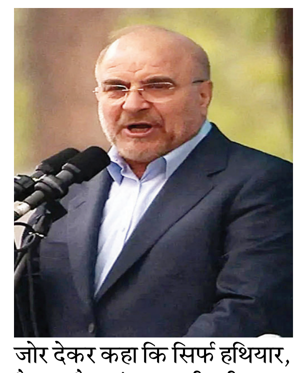

जोर देकर कहा कि सिर्फ हथियार, पैसा और संसाधन ही जीत तय नहीं करते। उनके मुताबिक, ईरान ने 'असिमेट्रिक वॉरफेयर' यानी अलग रणनीति अपनाकर मजबूत दुश्मन को पीछे धकेल दिया। इस बीच, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत को लेकर उन्होंने कहा कि कुछ मुद्दों पर समझ बनी है, लेकिन अभी भी कई बड़े मतभेद बाकी हैं। उन्होंने साफ किया कि ईरान अपने राष्ट्रीय हितों से कोई समझौता नहीं करेगा और कूटनीति में भी झुकने का सवाल नहीं उठता।

'अमेरिका फर्स्ट' दिखावा, इस्राइल को प्राथमिकता देने का आरोप : मोहम्मद गालिबाफ ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका 'अमेरिका फर्स्ट' की बात करता है, लेकिन असल में वह इस्राइल के हितों को प्राथमिकता देता है और उसी के आधार पर फैसले लेता है। हालांकि जमीनी स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। हाल के घटनाक्रम में होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बार-बार स्थिति बदल रही है, कभी इसे खोलने की घोषणा होती है, तो कभी फिर से बंद करने की बात सामने आती है।

अमेरिकी प्रतिबंध के बाद क्यूबा में ईंधन संकट गहराया, स्पेन समेत कई देशों ने जताई चिंता

मैड्रिड। मैड्रिड, एजेंसी। जनवरी के आखिर में वॉशिंगटन द्वारा तेल की सप्लाई रोकने के बाद क्यूबा की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं मिल रहा है ईंधन के अभाव में इन तीन महीनों में वहां मानवीय स्थिति एक गंभीर मोड़ पर पहुंच गई है। इस बीच ब्राजील, मैक्सिको और स्पेन की सरकारों ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है और स्थिति को आसान बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है। स्पेन के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को तीनों सरकारों ने संबंधित पक्षों से यह भी अपील की कि वे ऐसे किसी भी कदम से बचें, जिससे लोगों के जीवन की स्थितियां और खराब हों या जिससे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हो। इसके साथ ही उन्होंने क्यूबा के लोगों की तकलीफों को कम करने के लिए एक समन्वित तरीके से अपनी मानवीय सहायता को बढ़ाने का भी संकल्प लिया। अपने बयान में ब्राजील, स्पेन और मैक्सिको ने हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की आवश्यकता को भी दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभु समानता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के सिद्धांतों का पालन करने पर भी जोर दिया। उन्होंने मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी फिर से दोहराया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातचीत का मकसद मौजूदा हालात का कोई पक्का हल निकालना होना चाहिए और यह पक्का करना चाहिए कि क्यूबा के लोग पूरी आजादी के साथ अपना भविष्य खुद तय करें। देश में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने कहा, 'सीमित मात्रा में ईंधन की सप्लाई पहुंचने की खबरों के बावजूद रूस से भेजी गई तेल की एक

हालिया खेप को पिछले हफ्ते अमेरिका की नाकेबंदी के बावजूद बंदरगाह पर उतरने की इजाजत दी गई थी। देश में मानवीय जरूरतें अभी लगातार बनी हुई हैं। मार्च के आखिर से ऊर्जा संकट का असर और भी ज्यादा बिगड़ गया है। 'बता दें कि क्यूबा की ऊर्जा जरूरतें जनवरी में अमेरिका द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सौंपे जाने तक बड़े पैमाने पर वेनेजुएला द्वारा पूरी की जाती थीं।

ब्राजील-स्पेन और मैक्सिको ने क्या कहा : अपने बयान में ब्राजील, स्पेन और मैक्सिको ने हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की आवश्यकता को भी दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभु समानता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के सिद्धांतों का पालन करने पर भी जोर दिया। इतना ही नहीं उन्होंने मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी फिर से दोहराया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातचीत का मकसद मौजूदा हालात का कोई पक्का हल निकालना होना चाहिए और यह पक्का करना चाहिए कि क्यूबा के लोग पूरी आजादी के साथ अपना भविष्य खुद तय करें। इसके साथ ही देश में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने कहा कि सीमित मात्रा में ईंधन की सप्लाई पहुंचने की खबरों के बावजूद रूस से भेजी गई तेल की एक हालिया खेप को पिछले हफ्ते अमेरिका की नाकेबंदी के बावजूद बंदरगाह पर उतरने की इजाजत दी गई थी। देश में मानवीय जरूरतें अभी लगातार बनी हुई हैं। मार्च के आखिर से ऊर्जा संकट का असर और भी ज्यादा बिगड़ गया है। बता दें कि क्यूबा की ऊर्जा जरूरतें जनवरी में अमेरिका द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सौंपे जाने तक बड़े पैमाने पर वेनेजुएला द्वारा पूरी की जाती थीं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com